केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 170 बुधवार 10 जनवरी 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

फास्ट ट्रैक कोर्ट से हो बीएचयू मामले की सुनवाई

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती, । कांग्रेस जिलाध्यक्ष ज्ञानेन्द्र पाण्डेय 'ज्ञानू' ने कहा एनसीआरबी के आंकड़ों के आंकड़े बताते हैं कि उत्तर प्रदेश हत्या, अपहरण, रेप, गैंगरेप, जमीनों पर अवैध कब्जों के मामलों में नम्बर 1 पर है। वे पार्टी दफ्तर पर प्रेस प्रतिनिधियों से वार्ता कर रहे थे। उन्होने कहा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनता को भरोसा दिलाया था कि उनके शासन में गुण्डे या तो जेल में होंगे या फिर प्रदेश छोड़कर भाग जायेंगे।

उन्होने कहा सत्ता पोषित अपराधों के कारण यूपी की जनता भयभीत है। जातिगत भेदभाव के आधार पर गुण्डों, माफियाओं के विरूद्ध कार्यवाही हो रही है। आईआईटी बीएचयू परिसर में छात्रा संग हुये गैंगरेप मामले में आरोपियों को रिमाण्ड पर नही लिया गया, देश को शर्मसार करने वाले वारदात को अंजाम देकर आरोपी मध्यप्रदेश चले गये, वहां भाजपा का चुनाव प्रचार करते रहे। जानबूझकर उन्हे सत्ता का संरक्षण मिलता रहा।

ज्ञानेन्द्र पाण्डेय ने कहा वीवीआई के साथ आरेपियों की फोटो वायरल होने के बावजूद पार्टी ने उन्हे न तो पद से हटाया और न ही उनके घर बुलडोजर भेजा। कांग्रेस अध्यक्ष ने मामले की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में करने कीम मांग किया है जिससे आरेपियों को जल्द से जल्द मृत्युदण्ड मिले। कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने सुल्तानपुर में हुये विनोद उपाध्याय के एनकाउंटर को फेक बताते हुये कहा सरकार किसी धर्म या जाति विशेष की नही होती। न्याय और दण्ड की प्रक्रिया सभी के साथ समान रूप से होनी चाहिये। प्रदेश सचिव देवेन्द्र कुमार श्रीवास्तव ने कहा राम मंदिर, सीएम योगी और एसटीएफ चीफ को बंम से उड़ाने की धमकी देने वालों ने गैर समुदाय को बदनाम करने और समाज में उनके प्रति नफरत फैलाने के इरादे से बेहद घटिया साजिश की।

आरोपी यदि वाकई मुसलमान होते तो अब तक सरकार उनकी हैसियत को नेस्तनाबूत कर चुकी होती, लेकिन खुलासे में जब आरोपी बहुसंख्यक समाज के निकले तो सरकार का पैमाना ही बदल गया। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा देश की जनता कांग्रेस की नीतियों और विपक्ष में रहते हुये पार्टी द्वारा सत्ता पोषित बुराइयों से किये जा रहे संघर्ष को देखकर काफी प्रभावित है और 2024 में कांग्रेस को सत्ता में देखना चाहती है। उन्होने कहा भाजपा का चाल चरित्र चेहरा अब जनता के सामने है। हर प्रकार के रहस्यों से परदा उठ चुका है। झूठ फरेब, नफरत, दोहरे मापदंड की राजनीति के दिन खत्म हो रहे हैं, 2024 में इण्डिया गठबंधन एनडीए के छक्के छुड़ायेगा और एक बार फिर देश में सभी जातियों, धर्मो को लेकर चलने वाली सरकार बनेगी।

उस्ताद राशिद खान के निधन पर शोक

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शास्त्रीय संगीत के विद्वान तथा महान गायक उस्ताद राशिद खान जी अब हमारे बीच नही रहे । देश ने एक बहुत अच्छे और गुनी कलाकार को खो दिया है । आज सभी संगीत प्रेमी बहुत आहत हैं ।पण्डित ज्वाला प्रसाद संगीत सेवा संस्थान द्वारा उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि दी गई ।इसमे संगीत गुरु राजेश आर्या ने कहा कि उस्ताद जी की मृत्यु से शास्त्रीय संगीत जगत को बहुत बड़ी छति हुई है। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष विनोद उपाध्याय ,सचिव संतोष श्रीवास्तव छात्र एवं छात्राएं भी मौजूद रहे ।

श्रीरामलला प्राण–प्रतिष्ठाः यूपी में 22 जनवरी को सार्वजनिक अवकाश, बंद रहेंगे स्कूल–कॉलेज

संवाददाता– अयोध्या । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्याधाम में बहुप्रतीक्षित श्रीरामलला के नवीन विग्रह की प्राण–प्रतिष्ठा समारोह से आम जनमानस के भावनात्मक जुड़ाव को देखते हुए 22 जनवरी को प्रदेश में शिक्षण संस्थाओं में अवकाश घोषित करने के निर्देश दिए हैं। इस विशिष्ट अवसर को 'राष्ट्रीय उत्सव' की संज्ञा देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा है कि 22 जनवरी को प्रदेश में मदिरा आदि की दुकानें बंद रखी जाएं।

मंगलवार को अयोध्या दौरे पर आए मुख्यमंत्री ने श्रीरामलला और हनुमान गढ़ी के दर्शन–पूजन के उपरांत श्रीराम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट के पदाधिकारियों के साथ बैठक की। मकर संक्रांति के बाद प्रारंभ हो रहे प्राण प्रतिष्ठा के वैदिक अनुष्ठानों की जानकारी लेते हुए मुख्यमंत्री ने समारोह की सुरक्षा व अन्य व्यवस्थाओं में तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को सभी आवश्यक सहयोग के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। इसके बाद, आयुक्त सभागार में स्थानीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में स्थानीय प्रशासन के अधिकारियों से तैयारियों का जायजा लिया और आवश्यक दिशा–निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि प्राण–प्रतिष्ठा समारोह में आ रहे गणमान्य जनों को अयोध्या में बेहतर आतिथ्य प्राप्त होना चाहिए। हर एक वीवीआईपी के विश्राम स्थल का चयन पूर्व में ही कर लिया जाए। मौसम के दृष्टिगत संभव है कि कुछ अतिथि एक–दो दिन पहले ही आ जाएं, ऐसे में उनके रुकने की बेहतर व्यवस्था हो।

मुख्यमंत्री योगी ने निर्देश दिया कि अयोध्या में होटल और धर्मशालाएं हैं। होम स्टे की व्यवस्था भी है। टेंट सिटी की संख्या और बढ़ाये जाने की आवश्यकता है। कुंभ की तर्ज पर अयोध्या में 25–50 एकड़ में एक भव्य टेंट सिटी तैयार कराएं। 22 जनवरी के उपरांत अयोध्या में दुनिया भर से रामभक्तों का आगमन होगा। उनकी सुविधा के लिए पूरे नगर में विभिन्न भाषाओं में साइनेज लगाए जाएं। संविधान की 08वीं अनुसूची में सम्मिलित भाषाओं और संयुक्त राष्ट्र की 06 भाषाओं में साईनेज हों।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आतिथ्य–सत्कार में स्वच्छता एक अत्यंत महत्वपूर्ण विषय है। इसमें जनसहयोग लें। धर्म पथ, जन्मभूमि पथ, भक्ति पथ, राम पथ जैसे प्रमुख मार्गों अथवा गलियों में धूल न उड़े, गंदगी न हो। जगह–जगह कूड़ेदान रखे हों। वेस्ट मैनेजमेंट की व्यवस्था हो। अभी 3800 से अधिक स्वच्छताकर्मी तैनात हैं, 1500 कर्मचारियों की संख्या और बढाएं। अयोध्या प्रतिबंधित पॉलीथिन मुक्त नगर हो, इसके लिए हम सभी को प्रयास करना होगा। 14 जनवरी से नगर में स्वच्छता विषयक विशेष अभियान चलाएं। नगर में कहीं भी गंदगी नहीं दिखनी चाहिए।

हृदय, किडनी रोगियों के लिये श्रीकृष्णा मिशन हास्पिटल में लगा निःशुल्क चिकित्सा शिविर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । मंगलवार को श्रीकृष्णा मिशन हास्पिटल में हृदय और किडनी रोगियों के उपचार के लिये निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। कुछ बड़ी जांचों के लिये मरीजों से न्यूनतम शुल्क लिया गया। हृदय रोग विशेषज्ञ डा. राजीव कृष्ण चौधरी, किडनी रोग विशेषज्ञ डा. सन्तोष कुमार ने 98 मरीजों का परीक्षण कर उन्हें समुचित सुझाव दिया।

श्रीकृष्णा मिशन हास्पिटल के चेयरमैन बसन्त चौधरी ने बताया कि पूर्वान्चल के मरीजों की आवश्यकता को देखते हुये हास्पिटल को मल्टी हास्पिटल के रूप में निरन्तर विकसित किये जा रहे हैं। जनपद में हार्ट, किडनी और न्यूरो मरीजों को इलाज के लिये भटकना पड़ता था। अब हासिपटल में यह सुविधा उपलब्ध है। निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन इस उद्देश्य से किया गया जिससे ऐसे मरीज जो धन के अभाव में अपना इलाज नहीं करा पाते उन्हें सुविधा मिले। अब जनपद के हृदय रोग, किड़नी, न्यूरो के मरीजों को महानगरों में भटकना नहीं पड़ेगा। उनका अपने जनपद में ही उच्च कोटि का इलाज हो जायेगा।

श्रीकृष्णा मिशन हास्पिटल के चेयरमैन बसन्त चौधरी ने बताया कि कोरोना काल के बाद से ही हास्पिटल को अत्याधुनिक चिकित्सा तकनीक और सुयोग्य चिकित्सकों से समृद्ध किया जा रहा है। यही नहीं केन्द्र और प्रदेश सरकार के कल्याणकारी योजनाओं आयुष्मान भारत और कैशलेश चिकित्सा की पूरी सुविधा हास्पिटल में उपलब्ध है। बसन्त चौधरी ने जानकारी दिया कि श्रीकृष्णा मिशन हास्पिटल को माडल हास्पिटल के रूप में विकसित करने का उनका उद्देश्य मानव सेवा है। इस दिशा में हास्पिटल के सुयोग्य चिकित्सक और स्वास्थ्यकर्मी निरन्तर मरीजों और उनके परिजनों का भरोसा जीत रहे हैं।

पूर्व राज्य मंत्री श्रीपति सिंह को समाजवादी पार्टी का राष्ट्रीय सचिव बनाये जाने पर प्रसन्नता

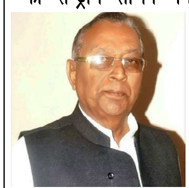

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। पूर्व राज्य मंत्री श्रीपति को समाजवादी पार्टी का राष्ट्रीय सचिव नामित किया गया है। श्रीपति सिंह ने यहां जारी विज्ञप्ति के माध्यम से कहा कि संगठन ने उन्हें जो दायित्व दिया है उनका पूरा प्रयास होगा कि इस पर खरा उतरू। आगामी लोकसभा चुनाव में सपा की निर्णायक जीत के लिये वे पूरी ताकत झोंक देंगे।

श्रीपति सिंह को समाजवादी पार्टी का राष्ट्रीय सचिव नामित किये जाने पर सपा जिलाध्यक्ष एवं बस्ती सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव, पूर्व मंत्री राम प्रसाद चौधरी, विधायक राजेन्द्र चौधरी, कविन्द्र चौधरी अतुल, पूर्व विधायक राजमणि पाण्डेय, चन्द्रभूषण मिश्र, पूर्व महासचिव निजामुद्दीन, जमील अहमद, मुरलीधर पाण्डेय, पंकज सिंह, एबादुल हक, राजेन्द्र चौरसिया, सुरेन्द्र सिंह 'छोटे' के साथ ही पार्टी के अनेक नेताओं ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुये कहा है कि निश्चित रूप से उनके लम्बे राजनीतिक अनुभव का लाभ पार्टी को मिलेगा।

जरूरतमंदों में किया कम्बल का वितरण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कडाके की ठंड से बचाव के लिये ऋषभ फाउंडेशन द्वारा जरूरतमंदों में कम्बल का वितरण रेलवे स्टेशन के निकट किया गया।

ऋषभ फाउंडेशन के जिला अध्यक्ष डा हेमन्त पाण्डेय ने कहा कि फाउंडेशन द्वारा इस प्रकार से जन कल्याणकारी कार्य प्रायः किया जाता है। कई वर्षो से जनहित में कम्बल वितरित किया जाता है जिससे कोई ठंड का शिकार न हो।

समाज सेवी अपूर्ण शुक्ला ने कहा सर्दी लगातार बढ़ रही है कोई व्यक्ति ठंड की मार से पीड़ित न हो जिससे झुग्गी झोंपड़ियों में रह रहे जरूरतमंदों में कंबल वितरण किया गया है। समाज सेवी यल. के. पाण्डेय ने कहा कि जरूरतमंद ठंड के प्रकोप से बच सकें और आगे भी इस प्रकार से जो भी जरूरतमंद होंगे उनको कम्बल उपलब्ध कराया जायेगा। कम्बल वितरण में मुख्य रूप से गगन पाण्डेय, सोनू पाठक, अनिरुद्ध चौधरी, सोनू चौबे, आशुतोष सिंह, दिनेश तिवारी, प्रशांत यादव, मंटू उपाध्याय, डा आर जे शुक्ला आदि ने योगदान दिया।

पुस्तक मेले में छात्रों ने खरीदी पसन्द की किताबें

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। टाउन क्लब में युवा विकास समिति और नेशनल बुक ट्रस्ट भारत सरकार द्वारा लगाया पुस्तक मेला हर आयु वर्ग के पाठकों को लुभा रहा है। एक स्थान पर विविध विषयों की पुस्तकें उपलब्ध करा रहे पुस्तक मेले में दिन भर लोगों की आवाजाही बनी रही। वहीं राजकीय कन्या इंटर कालेज, खैर इंटर कालेज और राजन इंटरनेशनल एकेडमी बस्ती के सैकड़ों बच्चों नें बुक स्टाल पर विजिट कर अपने जरुरत की किताबें क्रय की।

पुस्तक मेले के संरक्षक डॉ. नवीन सिंह नें बताया की बस्ती पुस्तक मेले में साहित्य तो अपनी जगह है ही, लेकिन इस बार बहुत कुछ नया लेकर आया है। बस्ती पुस्तक मेले बच्चों और नवयुवाओं के लिए नयी उपयोगी और प्रेरक सामग्री है। नयी तरह के पोस्टर, कार्ड्स और वैज्ञानिक उपकरण बच्चों के साथ बड़ों को भी आकर्षित कर रहे हैं।

पुस्तक मेले में युवाओं को मानों किताबों का खजाना मिल गया है। क्राइम, रोमांस, फिक्शन, नॉन फिक्शन, क्लासिक आदि जॉनर में यहां हजारों किताबें हैं। इस पुस्ध्तक मेले में बड़ी संख्ध्या में युवा पहुंच रहे हैं। किशोर और बच्चे भी अपने माता–पिता के साथ किताबें खरीदने के लिए आ रहे हैं।

डॉ नवीन सिंह नें बताया कि कई नवोदित लेखकों की किताबें भी यहां लगी हैं। पुस्तक मेले में हिंदी की बहुत कम किताबें हैं। इनमें नाटक और रंगमंच के विविध आयाम और पत्रकारिता से संबंधित किताबें मौजूद हैं। मेले में हर किताब पर कम से कम 10 प्रतिशत और अधिकतम 80 प्रतिशत की छूट दी जा रही है।

मेले में परिवार और बच्चों के संग आने वालों की तादाद भी खूब रही। मेले के लगभग हर स्टाल पर बच्चों की किताबें हैं। नेशनल बुक ट्रस्ट के स्टाल पर बच्चों की कथाओं की किताबों के संग क्रान्तिकारियों और लोक साहित्य प्रचुर मात्रा में है। उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान के स्टाल पर प्रेमचन्द की कहानियों की किताबें बहुत ही कम मूल्य पर उपलब्ध हैं। निखिल पब्लिकेशन के स्टाल पर किड शृंखला की कार्टून और कहानियों के मिले जुले रूप वाली किताबें भी बच्चों को लुभा रही हैं। पुस्तक मेले में आज से साहित्यिक आयोजनों का दौर भी आरम्भ हो गया। इसके अलावा बच्चों के साथ सवाल जबाब प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। जिसके आधार बच्चों को प्रमाणपत्र और मोमेंटो देकर पुरस्कृत भी किया गया। पुस्तक मेले में लगाये गए पीएम सेल्फी पॉइंट पर महिलाओं नें खूब सेल्फी ली। पुस्तक मेले में आयोजन से जुड़े सन्नो दुबे, धर्मेन्द्र कुमार पाण्डेय, भृगुनाथ त्रिपाठी पंकज, अरुण कुमार, डॉ. नरेन्द्र कुमार त्रिपाठी, उपेन्द्र, अनुराग श्रीवास्तव, संध्या दीक्षित, राम मूर्ति मिश्र, विशाल पाण्डेय, माधुरी, डॉ ज्योति सिंह, गरुन्ध्वज पाण्डेय सहित तामाम लोग मौजूद रहे।

तीन प्रभारी चिकित्साधिकारियों का वेतन रोकने का निर्देश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । विभिन्न योजनाओं में धीमी प्रगति पाये जाने पर जिलाधिकारी अंद्रा वामसी ने गौर, मरवटिया, बनकटी, रूधौली के प्रभारी चिकित्साधिकारियों का वेतन रोकने के लिए निर्देशित किया है। जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में उन्होने मरवटिया के प्रभारी चिकित्साधिकारी के विरूद्ध विभागीय कार्यवाही करने के लिए सीएमओ को निर्देशित किया है। उन्होने निर्देश दिया है कि एसीएमओ तथा डिप्टी सीएमओ के बीच समुचित कार्य आवंटन करें। साथ ही एक एसीएमओ की जनपद में तैनाती के लिए शासन को संस्तुति भिजवायें। उन्होने संतोषजनक स्पष्टीकरण प्राप्त होने पर प्रभारी चिकित्साधिकारी कप्तानगंज का वेतन बहाल करने का निर्देश दिया है।

उन्होने सीएचसी हर्रैया में कोल्डचेन रिनोवेसन का कार्य कराने के लिए ईओ नगर पंचायत हर्रैया को निर्देशित किया है। उन्होने गायघाट स्वास्थ्य केन्द्र का कायाकल्प कार्य एक सप्ताह में पूरा कराने का निर्देश दिया है। जननी सुरक्षा योजना में लाभार्थियों के भुगतान पर उन्होने संतोष व्यक्त किया। उन्होने अवशेष 19 आशा का चयन समय से पूर्ण करने का निर्देश दिया है। उन्होने स्वास्थ्य उपकेन्द्र रिनोवेसन, ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समिति के फंड, महिला नसबंदी, गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण, 12 माह के पूर्व पूर्ण टीकाकरण तथा मरीजो के स्वास्थ्य का डिजिटल एकाउंट (आभा) तैयार करने की स्थिति की समीक्षा किया। उन्होने निर्देश दिया कि आभा के संबंध में सभी डाक्टर का प्रशिक्षण कराया जाय।

वित्तीय प्रगति की समीक्षा करते हुए उन्होने दुबौलिया, बनकटी, परसरामपुर, मरवटिया, विक्रमजोत के प्रभारी चिकित्साधिकारियों को पूर्ण कार्यो के सापेक्ष भुगतान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होने आउटसोर्सिंग पर कार्यरत 15 कम्प्यूटर आपरेटर तथा 6 एलटी के मानदेय के भुगतान करने का निर्देश दिया है।

उन्होने निर्देश दिया कि जनवरी माह में 1.69 लाख लाभार्थियों का आयुष्मान कार्ड बनवाना सुनिश्चित करें। इसके लिए उन्होने घर–घर सर्वे करने का निर्देश दिया है।

व्यापारियों के सम्मेलन में उठेंगे जमीनी मुद्दे तैयारियां तेजः पदाधिकारियों में दायित्वों का वितरण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । बस्ती उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल का स्वर्ण जयन्ती व्यापारी सम्मेलन आगामी 13 जनवरी को सिद्ध विनायक मैरेज हाल के सभागार में दिन में 11 बजे से होगा। सम्मेलन की सफलता के लिये पदाधिकारी और कार्यकर्ता व्यापारियों से निरन्तर सम्पर्क कर रहे हैं। जिलाध्यक्ष आनन्द राजपाल और सूर्य कुमार शुक्ल ने पदाधिकारियों के साथ तैयारी बैठक कर दायित्वों का वितरण किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश अध्यक्ष मुकंन्द मिश्रा हिस्सा लेंगे।

व्यापारी सम्मेलन में व्यापारियों से जुडे मुद्दे प्रमुखता से उठाये जायेंगे। जिलाध्यक्ष आनन्द राजपाल ने बताया कि जिला परिषद द्वारा वसूले जा रहे सी.पी. टैक्स (वैभव कर) समाप्त किया जाने, नगर पालिका परिषद द्वारा जारी लाइसेंस शुल्क को समाप्त किये जाने, बाट माप विभाग द्वारा बाट माप पर मोहर लगाने की अवधि 5 करने, जी.एस.टी. (2017–18) में मिस मैच या आई.टी.सी. के नाम पर व्यापारी उत्पीड़न बन्द कर उसे समाप्त किये जाने, विद्युत विभाग कमर्शियल व घरेलू के नाम पर विद्युत कनेक्शन की आड़ में व्यापारियों का उत्पीड़न बन्द करने, व्यापारिक स्वास्थ्य बीमा लागू करने, व्यापारियों से सम्बन्धित विभागों में व्यापारी सेल का गठन कियये जाने, बुजुर्ग व्यापारियों के लिए व्यापारी पेंशन योजना लागू करने, बस्ती विकास प्राधिकरण का मानक पूरा न होने के कारण इसकी मान्यता समाप्त किये जाने, शिक्षक एम.एल.सी. की तरह व्यापारी एम.एल.सी. का चुनाव किये जाने आदि कि मुद्दे सम्मेलन में प्रमुखता से उठाये जायेंगे।

बस्ती उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल के मण्डल उपाध्यक्ष नोमान अहमद ने बताया कि सम्मेलन की सफलता के लिये व्यापारियों से व्यापक सम्पर्क किया जा रहा है। सम्मेलन के तैयारी बैठक में मुख्य रूप से हर्षित अग्रवाल, ऋषभ गुप्ता, धर्मेन्द्र चौरसिया, अशोक निगम, प्रभात सोनी (आर्यन) मो. एहसानुल्लाह कैफ, नीरज कसौधन, आशुतोष पाण्डेय आदि शामिल रहे।

बिलकिस बानो पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला गुजरात सरकार के मुंह पर झन्नाटेदार तमाचा-महेन्द्र श्रीवास्तव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । कांग्रेस आर.टी.आई. विभाग के प्रदेश महासचिव एवं बस्ती, गोरखपुर मण्डल प्रभारी महेन्द्र श्रीवास्तव ने बिलकिस बानो गैंगरेप मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा 11 दोषियों की सजा माफी के फैसले को रद्द करने के निर्णय का स्वागत करते हुये कहा कि देर से ही सही यह न्याय की जीत है। इस फैसले से सुप्रीम कोर्ट के प्रति भरोसा और मजबूत हुआ है।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से कांग्रेस नेता महेन्द्र श्रीवास्तव ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला गुजरात सरकार के मुंह पर झन्नाटेदार तमाचा है। उन्होंने मांग किया कि गुजरात के मुख्यमंत्री अपना त्याग पत्र दें। यदि वे त्याग पत्र नहीं देते तो मुख्यमंत्री को बर्खास्त कर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि गुजरात सरकार को पूरे देश से माफी भी मांगनी चाहिए। बिलकिस बानो के दोषियों की सजा माफ करने का फैसला गुजरात की भाजपा सरकार का था। कहा कि बिलकिस बानो प्रकरण से नारी जाति शर्मिंदा हुई थी। अपराधियों को जेल में होने के बजाय सरकार की तरफ से रिहाई मिल गई थी। दोषियों की रिहाई पर विजय पर्व भी मनाया गया था। अब सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात सरकार को आईना दिखा दिया है। कांग्रेस नेता ने कहा कि मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम युगों से लोगों के हृदय में है। यदि भाजपा को मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम पर निष्ठा होती तो बिलकिस बानों के साथ गुजरात सरकार ने जो किया वह कदापि न होता। भाजपा के कथनी–करनी में भेद है। सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के बाद यह स्पष्ट हो गया है। देश की महिलायें भाजपा को क्षमा नहीं करेगी और आने वाले लोकसभा के चुनाव में इसकी प्रतिक्रिया देखने को मिलेगी। राजस्थान की जनता ने भजनलाल सरकार में मंत्री सुरेन्द्र पाल सिंह टी.टी. को करारी हार देकर और कांग्रेस प्रत्याशी रूपिन्दर सिंह ने पराजिज कर इसकी शुरूआत कर दिया है। देश, प्रदेश की ऊबी जनता का अब भाजपा से मोहभंग हो रहा है। कांग्रेस पुनः जन समर्थन से केन्द्र में सरकार बनायेगी।

राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिलाध्यक्ष पर जान लेवा हमला मुकदमा दर्ज कर दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिलाध्यक्ष ठाकुर प्रेम नन्दवंशी को अराजक तत्वों द्वारा मारने पीटने का मामला सामने आया है। कोतवाली पुलिस ने तहरीर देने के बावजूद अभी तक मुकदमा दर्ज नहीं किया है। मामले में दोषियों के गिरफ्तारी की मांग को लेकर भारत मुक्ति मोर्चा द्वारा 10 जनवरी बुधवार को जिलाधिकारी कार्यालय के समक्ष धरना देने की चेतावनी मोर्चा जिलाध्यक्ष आर.के. आरतियन ने दी है।

–भारत मुक्ति मोर्चा ने दिया धरने की चेतावनी

जिलाधिकारी को दिये पत्र में भारत मुक्ति मोर्चा जिलाध्यक्ष आर.के. आरतियन ने कहा है कि मामला गंभीर है और कोतवाली पुलिस न्याय दिलाना तो दूर मुकदमा तक दर्ज नहीं कर रही है। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिलाध्यक्ष ठाकुर प्रेम नन्दवंशी ने कोतवाली पुलिस को दिये तहरीर में कहा है कि गत 7 जनवरी रविवार को वे कोतवाली थाना क्षेत्र के रोडवेज तिराहा स्थित पाल होटल से खाना खाकर जब बाहर निकले तो रात्रि लगभग 9 बजे लगभग 15 से 20 लोगों ने अकारण उनके ऊपर जान लेवा हमला बोल दिया और लगभग 2 हजार रूपया छीन लिया। 5 से अधिक लोग मोटर साईकिल पर सवार हुये और एक कार नम्बर यू.पी. 51–ए.के.–9777 पर उन्हें जबरिया बैठा लिया गया। मारने पीटने के बाद बदमाशों ने उन्हें न्यू आदर्श हास्पिटल के सामने जान से मारने की धमकी देने के साथ ही उतार दिया। घटना के बाद ही कोतवाली पुलिस को सूचना दी गई।

पुलिस द्वारा इस मामले में अभी तक कोई कार्रवाई न किये जाने से राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा और भारत मुक्ति मोर्चा संगठनों में रोष है। पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने प्रशासन से मांग किया है कि सी.सी.टी.वी. फुटेज निकालकर दोषियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई किया जाय अन्यथा वे धरना प्रदर्शन को मजबूर होंगे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 10 जनवरी 2024 बुधवार

सम्पादकीय

इन्साफ की डगर पर

न्यायपालिका को लोकतांत्रिक व्यवस्था का एक अति विशिष्ट अंग माना गया है। सर्वसुलभ, निष्पक्ष एवं त्वरित न्याय न केवल सामाजिक वातावरण के शुद्धिकरण में सहायक बनता है अपितु नागरिकों के हृदय में व्यवस्था के प्रति आस्था भी संपुष्ट करता है। न्यायपालिका को लोकतांत्रिक व्यवस्था का एक अति विशिष्ट अंग माना गया है। सर्वसुलभ, निष्पक्ष एवं त्वरित न्याय न केवल सामाजिक वातावरण के शुद्धिकरण में सहायक बनता है अपितु नागरिकों के हृदय में व्यवस्था के प्रति आस्था भी संपुष्ट करता है। अपेक्षित गतिशीलता की बात करें तो भारतीय न्यायप्रणाली को इस संदर्भ में काफी पीछे पाएंगे। फास्ट ट्रैक अदालतों के गठन के बावजूद हत्या, दुष्कर्म जैसे गंभीर मामलों में भी 15–20 वर्ष लगना मानो एक सामान्य बात है। चुनिंदा मामले ही होंगे, जिनमें स्तरीय अदालतों के विभिन्न पड़ावों से गुजरते हुए फैसला 4–5 वर्षों के भीतर मिलना संभव हो पाया। आंकड़ों के अनुसार, 2022 के दौरान भारत में कुल लंबित मामलों की संख्या 5 करोड़ से ऊपर आंकी गई, जिसमें जिला तथा उच्च न्यायालय में 30 से भी अधिक वर्षों से विचाराधीन 169,000 मामले सम्मिलित रहे।

इस विषय में पंजाब–हरियाणा हाईकोर्ट की वर्तमान स्थिति देखें तो कुल लंबित मामलों में से 4.67 प्रतिशत, 20–30 वर्षों से विचाराधीन हैं। कुल 4,41,188 लंबित मामलों में से 1,65,386 आपराधिक मामले जीवन तथा स्वतंत्रता से संबद्ध हैं। वरिष्ठ नागरिकों एवं महिलाओं की ओर से क्रमशः दायर 31,534 तथा 22,676 मामले अभी भी फैसले हेतु प्रतीक्षारत हैं। सी.आर.पी.सी. का एक नियम कोई आरोपी या गवाह मौजूद न होने की स्थिति में, आपराधिक मामलों को आगे बढने की अनुमति नहीं देता लेकिन नवंबर 2022 में एन.जे.डी.जी. के अनुसार, इसके चलते 60 प्रतिशत से अधिक आपराधिक मामले कोर्ट में लंबित पाए गए।

विश्व के सर्वाधिक लंबित मामलों के अंतर्गत सूचीबद्ध देशों में भारतवर्ष का नाम अग्रिम पंक्ति में आना एक विचारणीय विषय है। बीते वर्ष सर्वोच्च न्यायालय ने भी 'तारीख पर तारीख' सिलसिले पर चिंता प्रकटाते हुए अवस्था में सुधार लाने की बात कही थी। सरकार द्वारा स्थापित विधि आयोग द्वारा अक्सर अदालतों की दक्षता बढ़ाने तथा अदालत कक्ष में मुकद्दमों के बोझ को प्रतिबंधित करने के संबंध में ठोस सुझाव दिए जाते हैं किंतु अक्षरशः लागू न हो पाने के कारण वे फलीभूत नहीं हो पाते। अपर्याप्त फंडिंग, अभावग्रस्त बुनियादी ढांचा, न्यायाधीशों की नियुक्ति में कमी, न्यायिक अधिकारियों के लिए अज्ञात नीति निर्धारण आदि अनेकों तथ्य मामले निपटान कार्य बिलम्बित करने में मूल कारण बनते हैं।

न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या के अनुरूप रिक्त पद न भर पाना गतिशीलता में कमी का एक मुख्य कारण है। एक सर्वेक्षण के मुताबिक, देश की सर्वाधिक शक्ति शाली अदालत, सुप्रीमकोर्ट मुकद्दमों के बोझ तले दबी हुई है। भारत के सर्वोच्च न्यायालय में 30 से अधिक न्यायाधीश लगभग 70 हजार अपील व याचिकाएं संभालते हैं। पंजाब–हरियाणा हाईकोर्ट की बात करें तो न्यायाधीशों के 85 स्वीकृत पदों पर वर्तमान में केवल 57 न्यायाधीश कार्यरत हैं, जिनमें से 6 इस वर्ष सेवानिवृत्त हो जाएंगे। बीते वर्ष 20–30 वर्षों से लंबित 16,633 मामलों की संख्या बढ़कर वर्तमान में 20,618 पर जा पहुंचने में संभवतरू जजों की कमी एक प्रमुख कारण रहा। नियुक्ति प्रक्रिया लंबी व जटिल होने के कारण जजों की पदोन्नति में भी खासा समय लग जाता है।

न्याय व्यवस्था हेतु आबंटित कुल बजट, मामलों की संख्या के दृष्टिगत काफी कम है। सीमित धन एवं सुझावों को लागू करने में अपनाए जा रहे ढुलमुल रवैये के कारण लंबित मामलों की संख्या अनवरत बढ़ती चली जा रही है, जिसके कारण भारत की जी.डी.पी. को लगभग 1.5 प्रतिशत से 2 प्रतिशत तक का घाटा सहना पड़ रहा है। सुनवाई का बार–बार टलना अवधि अंतराल को इतना लंबा खींच देता है कि कई बार तो निर्णय के अंतिम पड़ाव पर पहुंचने तक समूचा परिदृश्य ही बदल चुका होता है। अप्रैल, 2022 में बिहार राज्य की एक अदालत द्वारा सबूतों के अभाव में बरी किया गया हत्यारोपी पिछले 27 वर्ष से कैद काट रहा था। वर्ष 2006 के बहुचर्चित निठारी कांड के पूर्वारोपी भी इतने वर्ष कारावास में बिताने के उपरांत 16 अक्तूबर, 2023 को इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेशानुसार बरी कर दिए गए। पीड़ित पक्ष को समय पर न्याय न मिल पाना, फैसले में हो रही देरी का अनुचित लाभ उठाते हुए कानूनी दाव–पेंच के माध्यम से आरोपितों का साफ बच निकलना अथवा निरपराधी होने पर भी वर्षों जेल–यातना भुगतनाय एक सुचारू न्याय व्यवस्था की दृष्टि से कदापि मान्य नहीं।

न्याय मौलिक एवं मानवीय अधिकार है जिसमें निष्पक्षता, सुलभता के साथ द्रुतगति का समावेश होना भी अनिवार्य है।अदालती कार्रवाई को अनावश्यक रूप से खींचना समय व धन की बर्बादी का कारण बनता है, जबकि सुनिश्चित अवधि में अदालती कार्रवाई सम्पन्न करके इन्हें टाला जा सकता है। वर्षों के अंतराल के दौरान वक्त की उड़ती गर्द भले ही जन सामान्य के मन–मस्तिष्क में विचरती अनेक स्मृतियां धूमिल कर डाले किंतु परिवार के प्रतिपल न्याय की बाट जोहते हुए जख्म फैसला आने तक नासूर में परिवर्तित हो चुके होते हैं। भारत के पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने कहा था, ''न्याय में देरी करना न्याय न देने के समान है।'' न्याय की बाट जोहती आंखें जब प्रतीक्षा में पत्थर हो जाएं तो न्याय का भला क्या औचित्य रह जाता है।

श्रीराम मंदिर विकास और विरासत की साझा ताकत

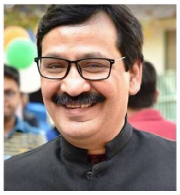

–प्रो. संजय द्विवेदी–

आज पूरी दुनिया उत्सुकता के साथ 22 जनवरी के ऐतिहासिक क्षण का इंतजार कर रही है। दुनिया में कोई भी देश हो, अगर उसे विकास की नई ऊंचाई पर पहुंचना है, तो उसे अपनी विरासत को संभालना ही होगा। हमारी विरासत, हमें प्रेरणा देती है, हमें सही मार्ग दिखाती है। इसलिए आज का भारत, पुरातन और नूतन दोनों को आत्मसात करते हुए आगे बढ़ रहा है। एक समय था जब अयोध्या में राम लला टैंट में विराजमान थे, लेकिन आज राम मंदिर का भव्य निर्माण हो रहा है। राम मंदिर का निर्माण एक अनथक संघर्ष का प्रतीक है। अयोध्या यानि वह भूमि जहां कभी युद्ध न हुआ हो। ऐसी भूमि पर कलयुग में एक लंबी लड़ाई चली और त्रेतायुग में पैदा हुए रघुकुल गौरव भगवान श्रीराम को आखिरकार छत नसीब होने वाली है। राजनीति कैसे साधारण विषयों को भी उलझाकर मुद्दे में तब्दील कर देती है, रामजन्मभूमि का विवाद इसका उदाहरण है। आजादी मिलने के समय सोमनाथ मंदिर के साथ ही यह विषय हल हो जाता तो कितना अच्छा होता। आक्रमणकारियों द्वारा भारत के मंदिरों के साथ क्या किया गया, यह छिपा हुआ तथ्य नहीं है। किंतु उन हजारों मंदिरों की जगह, अयोध्या की जन्मभूमि को नहीं रखा जा सकता। एक ऐतिहासिक अन्याय की परिणति आखिरकार ऐतिहासिक न्याय ही होता है। यह बहुत संतोष की बात है कि भारत की न्याय प्रक्रिया के तहत आए फैसले से मंदिर का निर्माण संपन्न हुआ है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस अर्थ में गौरवशाली हैं कि उनके कार्यकाल में इस विवाद का सौजन्यतापूर्ण हल निकल सका और मंदिर निर्माण हो सका।

इस आंदोलन से जुड़े अनेक नायक आज दुनिया में नहीं हैं। उनकी स्मृति आती है। मुझे ध्यान है उत्तर प्रदेश में कांग्रेस के नेता और मंत्री रहे श्री दाऊदयाल खन्ना ने मंदिर के मुद्दे को आठवें दशक में जोरशोर से उठाया था। उसके साथ ही श्री अशोक सिंहल जैसे नायक का आगमन हुआ और उन्होंने अपनी संगठन क्षमता से इस आंदोलन को जनांदोलन में बदल दिया। संत रामचंद्र परमहंस, महंत अवैद्यनाथ जैसे संत इस आंदोलन से जुड़े और समूचे देश में इसे लेकर एक भावभूमि बनी। तब से लेकर आज तक सरयू नदी ने अनेक जमावड़े और कारसेवा के प्रसंग देखे हैं। सुप्रीम कोर्ट के सुप्रीम फैसले के बाद जिस तरह का संयम हिंदू समाज ने दिखाया वह भी बहुत महत्त्व का विषय है। क्या ही अच्छा होता कि इस कार्य को साझी समझ से हल कर लिया जाता। किंतु राजनीतिक आग्रहों ने ऐसा होने नहीं दिया। कई बार जिदें कुछ देकर नहीं जातीं, भरोसा, सद्भाव और भाईचारे पर ग्रहण जरुर लगा देती हैं।

दुनिया के किसी देश में यह संभव नहीं है उसके आराध्य इतने लंबे समय तक मुकदमों का सामना करें। किंतु यह हुआ और सारी दुनिया ने इसे देखा। यह भारत के लोकतंत्र, उसके न्यायिक–सामाजिक मूल्यों की स्थापना का समय भी है। यह सिर्फ मंदिर नहीं है जन्मभूमि है, हमें इसे कभी नहीं भूलना चाहिए। विदेशी आक्रांताओं का मानस क्या रहा होगा, कहने की जरूरत नहीं है। किंतु हर भारतवासी का राम से रिश्ता है, इसमें भी कोई दो राय नहीं है। वे हमारे प्रेरणापुरुष हैं, इतिहास पुरुष हैं और उनकी लोकव्याप्ति विस्मयकारी है। ऐसा लोकनायक न सदियों में हुआ है और न होगा। लोकजीवन में, साहित्य में, इतिहास में, भूगोल में, हमारी प्रदर्शनकलाओं में उनकी उपस्थिति बताती है राम किस तरह इस देश का जीवन हैं।

राम शब्द संस्कृत की 'रम' क्रीडायाम धातु से बना है अर्थात हरेक मनुष्य के अंदर रमण करने वाला जो चौतन्य–स्वरूप आत्मा का प्रकाश विद्यमान है, वही राम है। राम को शील–सदाचार, मंगल–मैत्री, करुणा, क्षमा, सौंदर्य और शक्ति का पर्याय माना गया है। कोई व्यक्ति सतत साधना के द्वारा अपने संस्कारों का परिशोधन कर राम के इन तमाम सद्गुणों को अंगीकार कर लेता है, तो उसका चित्त इतना निर्मल और पारदर्शी हो जाता है कि उसे अपने अंतःकरण में राम के अस्तित्व का अहसास होने लगता है। कदाचित यही वह अवस्था है जब संत कबीर के मुख से निकला होगा,

'मोको कहां ढूंढे रे बंदे, मैं तो तेरे पास में
ना मैं मंदिर ना मैं मस्जिद, ना काबे कैलास में।'

राम, दशरथ और कौशल्या के पुत्र थे। संस्कृत में दशरथ का अर्थ है– दस रथों का मालिक। अर्थात पांच कर्मेंद्रियों और पांच ज्ञानेंद्रियों का स्वामी। कौशल्या का अर्थ है– 'कुशलता'। जब कोई अपनी कर्मेंद्रियों पर संयम रखते हुए अपनी ज्ञानेंद्रियों को मर्यादापूर्वक सन्मार्ग की ओर प्रेरित करता है, तो उसका चित्त स्वाभाविक रूप से राम में रमने लगता है। पूजा–अर्चना की तमाम सामग्रियां उसके लिए गौण हो जाती हैं। ऐसे व्यक्ति का व्यक्तित्व इतना सहज और सरल हो जाता है कि वह जीवन में आने वाली तमाम मुश्किलों का स्थितप्रज्ञ होकर मुस्कुराते हुए सामना कर लेता है। भारतीय जनमानस में राम का महत्व इसलिए नहीं है कि उन्होंने जीवन में इतनी मुश्किलें झेलीं, बल्कि उनका महत्व इसलिए है, क्योंकि उन्होंने उन तमाम कठिनाइयों का सामना बहुत ही सहजता से किया। उन्हें मर्यादा पुरुषोत्तम भी इसलिए कहते हैं, क्योंकि अपने सबसे मुश्किल क्षणों में भी उन्होंने स्वयं को बेहद गरिमापूर्ण रखा।

राम का होना मर्यादाओं का होना है, रिश्तों का होना है, संवेदना का होना है, सामाजिक न्याय का होना है, करुणा का होना है। वे सही मायनों में भारतीयता के उच्चादर्शों को स्थापित करने वाले नायक हैं। उन्हें ईश्वर कहकर हम अपने से दूर करते हैं। जबकि एक मनुष्य के नाते उनकी उपस्थिति हमें अधिक प्रेरित करती है। एक आदर्श पुत्र, भाई, सखा, न्यायप्रिय नायक हर रूप में वे संपूर्ण हैं। उनके राजत्व में भी लोकतत्व और लोकतंत्र के मूल्य समाहित हैं। वे जीतते हैं किंतु हड़पते नहीं। सुग्रीव और विभीषण का राजतिलक करके वे उन मूल्यों की स्थापना करते हैं जो विश्वशांति के लिए जरुरी हैं। वे आक्रामणकारी और विध्वंसक नहीं है। वे देशों का भूगोल बदलने की आसुरी इच्छा से मुक्त हैं। वे मुक्त करते हैं बांधते नहीं। अयोध्या उनके मन में बसती है। इसलिए वे कह पाते हैं,

जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी।

यानि जन्मभूमि स्वर्ग से भी महान है। अपनी माटी के प्रति यह भाव प्रत्येक राष्ट्रप्रेमी नागरिक का भाव होना चाहिए। वे नियमों पर चलते हैं। अति होने पर ही शक्ति का आश्रय लेते हैं। उनमें अपार धीरज है। वे समुद्र की तीन दिनों तक प्रार्थना करते हैं।

विनय न मानत जलधि जड़ गए तीन दिन बीति
बोले राम सकोप तब भय बिनु होहिं न प्रीति।

यह उनके धैर्य का उच्चादर्श है। वे वाणी से, कृति से किसी को दुख नहीं देना चाहते हैं। वे चेहरे पर हमेशा मधुर मुस्कान रखते हैं। उनके धीरोदात्त नायक की छवि उन्हें बहुत अलग बनाती है। वे जनता के प्रति समर्पित हैं। इसलिए तुलसीदास जी रामराज की अप्रतिम छवि का वर्णन करते हैं–

दैहिक दैविक भौतिक तापा,
रामराज काहुंहिं नहीं व्यापा।

राम ने जो आदर्श स्थापित किए उस पर चलना कठिन है। किंतु लोकमन में व्याप्त इस नायक को सबने अपना आदर्श माना। राम सबके हैं। वे कबीर के भी हैं, रहीम के भी हैं, वे गांधी के भी हैं, लोहिया के भी हैं। राम का चरित्र सबको बांधता है। अनेक रामायण और रामचरित पर लिखे गए महाकाव्य इसके उदाहरण हैं। राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त स्वयं लिखते हैं–

राम तुम्हारा चरित स्वयं ही काव्य है
कोई कवि बन जाए, सहज संभाव्य है।

भगवान श्रीराम भारतीय संस्कृति के ऐसे वटवृक्ष हैं, जिनकी पावन छाया में मानव युग–युग तक जीवन की प्रेरणा और उपदेश लेता रहेगा।

बांग्लादेश में चुनाव और लोकतंत्र

–पुष्परंजन–

चुनाव क्या था, बस एक औपचारिकता भर थी। शेख हसीना पांचवीं बार सत्ता में आ चुकी हैं। 7 जनवरी को मतदान का मुआयना करने विभिन्न देशों के जो 122 पर्यवेक्षक गये, उनकी भूमिका लगता है बस मूक दर्शक की रही है। सत्तारूढ़ अवामी लीग के खिलाफ उन्हीं के 63 निर्दलीय सभासद जातीय संसद में प्रतिपक्ष की भूमिका में रहेंगे, या सरकार में सहयोग करेंगे, यह शेख हसीना को तय करना है। 11 सांसदों वाली जातीय पार्टी तीसरे नंबर पर है। तीन अन्य लोग नक्कारखाने में तूती की आवाज की तरह चुनकर संसद में आये हैं। लोकतंत्र के लिए इससे बढ़िया प्रहसन और क्या हो सकता है?

300 सीटों वाली जातीय संसद के लिए 298 चुनावी क्षेत्रों में मतदान हुए, जिसमें सत्तारूढ़ अवामी लीग को 223 सीटें आईं हैं। नवगांव–दो निर्दलीय उम्मीदवार अमीनुल हक की मौत के बाद अंतिम चरण में मतदान स्थगित हो गया। बीएनपी चेयरपर्सन के कार्यालय गुलशन में स्टैंडिंग कमेटी के सदस्य अब्दुल मोइन खघन ने कहा कि 'गवर्नमेंट ऑफ द डमी, बाई द डमी, फॉर द डमी' को तुरंत गद्दी छोड़ देनी चाहिए। बीएनपी के तेवर और देशव्यापी माहौल को देखकर शेखह हसीना ने विजयोत्सव न मनाने का आदेश कार्यकर्ताओं को दिया है। अब 10 जनवरी को बंग बंधु शेख मुजीबुर्रहमान की वतन वापसी पर जो समारोह मनाया जाता है, उसे ही विजयोत्सव समझकर पार्टी कार्यकर्ता अपनी पीठ ठोकेंगे।

अवामी लीग के उम्मीदवारों ने जिस तरह अपमानजनक हार का सामना किया, वह कुछ समय बाद सर्वोच्च नेता शेख हसीना भूल जाएंगी। सत्तारूढ़ दल के कई दिग्गजों को पछाड़ते हुए निर्दलीय उम्मीदवारों ने 63 निर्वाचन क्षेत्रों में जीत हासिल की है, हारने वालों में कई मंत्री हैं। पराजित अवामी लीग के उम्मीदवारों में प्रचार सचिव अब्दुस शोभन गोलाप, तीन बार के सांसद धीरेंद्र देबनाथ शंभू, प्रेसीडियम सदस्य काजी जफर उल्लाह, केंद्रीय सांस्कृतिक मामलों के सचिव असीम कुमार उकिल और नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री महबूब अली शामिल हैं। इस बार, अवामी लीग ने अपने नेताओं को प्रतिशोध के डर के बिना स्वतंत्र उम्मीदवारों के रूप में चुनाव लड़ने की अनुमति दी। विद्रोहियों ने इस अवसर का लाभ उठाया और उनमें से कई विजयी हुए। एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि 'इसने पार्टी के विभाजन के साथ-साथ अनुशासन को भी प्रभावित किया है'। अब जातीय संसद में सवाल उठता है कि प्रतिपक्ष में दिखेंगे, और जातीय संसद में शेख हसीना के प्रस्ताव का समर्थन करेंगे। बांग्लादेश में ऐसा पहले हो चुका है। प्रसिद्ध बांग्लादेशी अधिकार कार्यकर्ता और फोटोग्राफर शाहिदुल आलम ने बताया कि यह एक विचित्र किस्म के चुनाव का विचित्र परिणाम है। 'डमी चुनाव में डमी उम्मीदवार, अब एक डमी संसद का नेतृत्व करेंगे।' इस चुनाव में जातीय पार्टी को केवल 11 सीटें मिली हैं, जो बीएनपी के बाद प्रमुख प्रतिपक्षी चेहरा है।

पूर्व चुनाव आयुक्त सखावत हुसैन ने कहा, 'यह विश्वास करना कठिन है कि मतदान 40 प्रतिशत था।' सखावत हुसैन ने उस खास समय को रेखांकित किया, जब मुख्य चुनाव आयुक्त ने मीडिया को जानकारी देते समय पहले खुद 28 प्रतिशत टोटल वोटिंग कहा, और फिर अचानक इसे बदलकर 40 प्रतिशत कर दिया। मतदान का आंकड़ा चुनाव आयोग मुख्यालय में डैशबोर्ड पर दिखाया गया था, जो 28 प्रतिशत था। इसकी एक तस्वीर देश के सोशल मीडिया में व्यापक रूप से प्रसारित की गई, जिसके हवाले से चुनाव आयोग की हंसी उड़ाई गई।

2018 के चुनाव को विश्लेषक याद करते हैं, जिसे 'रात के समय का चुनाव' कहा गया था, तब 80 प्रतिशत से अधिक वोट पड़े। फरवरी 1996 के विवादास्पद चुनावों में मतदान 26.5 प्रतिशत था, जो बांग्लादेश के इतिहास में सबसे कम था। अब यह दूसरा चुनाव है, जहां वास्तविक रूप से 28 प्रतिशत मत पड़े, जिस पर 40 फीसद का ठप्पा लगाया गया है। प्रतिष्ठित चुनाव पर्यवेक्षक संगठन 'ब्रोटी' के प्रमुख शर्मिन मुर्शिद ने बताया कि एक घंटे के अंतराल में 28 से 40 तक की छलांग हास्यास्पद थी और इसने चुनाव आयोग की प्रतिष्ठा को बुरी तरह खराब कर दिया।

मगर, बीएनपी नेताओं ने उस 28 प्रतिशत को भी बहुत अधिक बताया, और कहा कि देश भर में अधिकांश मतदान केंद्र दिन भर खाली रहे। बच्चे सड़क पर क्रिकेट खेल रहे थे, ऐसी तस्वीरें भी साझा की गईं। बीएनपी के एक वरिष्ठ नेता अब्दुल मोईन खान ने कहा, 'मीडिया और सोशल प्लेटफॉर्म पर साझा की गई अधिकांश तस्वीरों और फुटेज में, आपको पुलिस और कुछ अवामी लीग कार्यकर्ताओं की धूप सेंकते हुए तस्वीरें मिलेंगी।'

अब सवाल यह है कि शेख हसीना अपना पांचवां टर्म क्या शांतिपूर्वक चला पाएंगी? शेख हसीना का पहला टर्म 1996 से 2001 तक रहा है। फिर 2008, 2014, 2018 तीन टर्म लगातार, यानी टोटल 20 साल 23 दिन सत्ता में रहीं शेख हसीना, और अब उनका पांचवां टर्म 2024 में। शेख हसीना पर अमेरिकी दूतावास का जबरदस्त दबाव रहा है। उसकी परोक्ष वजह चीन है, जिसकी परियोजनाएं बांग्लादेश में काफी कुछ चल रही हैं। अमेरिका ने चेतावनी दी कि वह उन लोगों को वीजा देने से इनकार कर देगा जिन्होंने बांग्लादेश में लोकतंत्र को नष्ट कर दिया है। हसीना ने सभी दबावों से बचने के लिए नई दिल्ली से मदद की अपील की। शेख हसीना सरकार पर मोहम्मद यूनुस को सजा दिलाने के हवाले से पश्चिमी देशों का दबाव बना रहेगा।

शेख हसीना के चिर विरोधी नोबेल पुरस्कार से सम्मानित मोहम्मद यूनुस के खिलाफ लगभग 200 मामले हैं। उनके समर्थक बताते हैं कि शेख हसीना सरकार उन्हें कानूनी रूप से परेशान करने की ठान चुकी है। 'बांग्लादेश श्रम अधिनियम 2006' में कंपनी के मुनाफे का पांच प्रतिशत कर्मचारियों और विभिन्न श्रमिक निधियों के साथ साझा करने का प्रावधान किया गया था। सरकार का कहना है कि ग्रामीण टेलीकॉम के बोर्ड के अध्यक्ष यूनुस ने इस प्रावधान का पालन नहीं किया।

83 साल के मोहम्मद यूनुस को कोर्ट से छह माह की सजा हुई है। शेख हसीना के रहते वो जेल से मुक्ति पायेंगे? इसमें शक है। उनके वकील का कहना है कि जो कंपनी कोई लाभ नहीं कमाती वह कर्मचारियों के साथ मुनाफा कैसे साझा कर सकती है? ग्रामीणफोन में नॉर्वेजियन स्वामित्व वाली टेलीनॉर की हिस्सेदारी है, यह मामला जब उलझा ग्रामीणफोन को छह महीने के लिए सिम कार्ड बेचने से रोक दिया गया था। मोहम्मद यूनुस के पैरोकार कहते हैं कि इससे निवेशकों का भरोसा कम हुआ है।

बहरहाल, अवामी लीग की अध्यक्ष और प्रधान मंत्री शेख हसीना ने कहा कि मतदान के माध्यम से स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने का अभूतपूर्व उदाहरण बांग्लादेश ने स्थापित किया है। 2024 में भारत–पाकिस्तान–अमेरिका समेत दुनिया के कई मुल्कों में चुनाव है। सवाल है कि क्या बांग्लादेश को चुनावी रोल मॉडल बनना चाहिए?

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

तीर्थ स्थलों के विकास से समृद्धि

–प्रमोद भार्गव–

पांच सौ साल पहले जब अयोध्या में विदेशी आक्रांता राम मंदिर ध्वस्त कर रहे थे, तब तुलसी और सूरदास राम एवं कृष्ण की लीलाओं को ब्रज, अवधी और भोजपुरी भाषाओं में रच रहे थे। जिससे हमलावरों के हमलों से आहत जनमानस जागरूक हो और अपनी सनातन सांस्कृतिक अस्मिता तथा देश की संप्रभुता के लिए बलिदानी भाव–बोध से जूझ जाए। निहत्था भक्त इसी थाती के बूते इस्लाम की तलवार और फिरंगियों की तोपों से पूरे पांच सौ साल युद्धरत दिखाई देता रहा। इसी युद्धरत आम भारतीय ने हमें 15 अगस्त 1947 को आजादी दिलाई। तत्पश्चात भी वामपंथी वैचारिकी कुछ इस तरह गढ़ी जाती रही कि हम अपनी ऐतिहासिक–सांस्कृतिक विरासत पर प्रश्न उठाने लग गए? यूपीए सरकार ने राम और रामसेतु के अस्तित्व को ही झुठलाने का काम कर दिया। अलबत्ता 2014 से नरेंद्र मोदी की सरकार के आरंभ से बदलाव की कुछ ऐसी हवा चली कि अयोध्या में भगवान राम के जन्म–स्थल पर तो रामलला के विग्रह की स्थापना 22 जनवरी को हो ही रही है, इस्लामिक देश संयुक्त अरब अमीरात की राजधानी अबूधाबी में राम मंदिर जैसा ही भव्य मंदिर बनकर तैयार है। आगामी 14 फरवरी को इस मंदिर के पट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खोलेंगे।

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, बीते वर्ष 2.39 करोड़, यानी प्रतिदिन करीब 70 हजार तीर्थयात्री अयोध्या नगरी पहुंचे। यात्रियों की यह आमद 2022 की तुलना में सौ गुना अधिक रही। अनुमान है कि भगवान राम के मंदिर की प्राण–प्रतिष्ठा के बाद अयोध्या देश का सबसे बड़ा धार्मिक पर्यटन स्थल हो जाएगा। यहां प्रतिवर्ष दस करोड़ पर्यटकों के आने की उम्मीद जताई जा रही है। एक पर्यटक औसतन 2700 रुपए खर्च करता है, अर्थात अयोध्या ही नहीं समूचे प्रदेश की अर्थव्यवस्था को इस पर्यटन से बल मिलेगा। इसी तर्ज पर सोमनाथ, वाराणसी, उज्जैन और केदारनाथ के मंदिरों में गलियारों का विस्तार हो गया है। इन तीर्थों के आधुनिक एवं सुविधाजनक हो जाने से पर्यटन का आकार बढ़ गया है। विश्वस्तरीय होटल, सड़क, हवाई और रेल सुविधाएं हो जाने से यात्रियों की संख्या उम्मीद से कहीं ज्यादा बढ़ी है। भारत में फिलहाल पर्यटन से जुड़ी जीडीपी का योगदान 5 से 6 प्रतिशत है, इसमें धार्मिक पर्यटन का हिस्सा अब तक आधा रहता है, जो अब निरंतर उछाल मार रहा है।

उत्तर प्रदेश में धार्मिक पर्यटन में बढ़ोतरी से प्रेरित होकर अन्य राज्य सरकारें भी धार्मिक स्थलों के संरचनात्मक विकास और ठहरने व आवागमन की सुविधाओं को बढ़ावा देने में लग गई हैं। असम के गुवाहाटी में कामाख्या मंदिर का 500 करोड़ रुपए की लागत से विकास हो रहा है। राजस्थान में गोविंद देव मंदिर, पुष्कर तीर्थ और बेनेश्वर धाम का विकास सौ–सौ करोड़ रुपए की लागत से किया जा रहा है। बिहार सरकार भारतमाला धार्मिक संपर्क योजना के अंतर्गत उच्चैठ भगवती मंदिर से महिषी तारास्थल को जोड़ने के लिए मधुबनी के उमगांव से सहरसा तक के मार्ग को विस्तृत कर रही है।

महाराष्ट्र सरकार कोल्हापुर में 250 करोड़ की लागत से महालक्ष्मी मंदिर गलियारा बना रही है। इसी प्रकार प्रसिद्ध तीर्थस्थल नासिक से त्र्यंबकेश्वर मंदिर तक चौड़ा रास्ता बनाया जा रहा है। तेलंगाना में 1300 करोड़ की लागत से ययादि मंदिर का निर्माण किया गया है। भगवान नृसिंह के इस मंदिर के गर्भगृह में 125 किलो सोना लगा है।

नेपाल से भारत लाई जा रही तीन ट्रैक्टर–ट्रॉली कबाड़ बरामद

संवाददाता–महराजगंज। सख्ती के बाद भी बॉर्डर पर तस्करी नहीं रुक रही है। आए दिन तस्करी के सामान के साथ आरोपी पकड़े जा रहे हैं। मंगलवार को इंडो नेपाल बॉर्डर पर तैनात 22वीं वाहिनी एसएसबी के जवानों ने पिलर संख्या 504६ के पास से नेपाल से भारत लाई जा रही तीन ट्रैक्टर–ट्रॉली कबाड़ बरामद कर लिया। साथ ही दो आरोपियों को गिरफ्तार कर कस्टम दूठीबारी के सुपुर्द कर दिया। बीओपी इंचार्ज दिनेश विश्वास ने बताया कि मुखबिर ने सूचना दी की नेपाल से बड़ी मात्रा में तस्करी कर कबाड़ भारत लाया जा रहा है। सूचना पर 22 वीं वाहिनी एसएसबी के जवानों की स्पेशल टीम ने इंडो नेपाल बॉर्डर पर चेकिंग शुरू कर दी। तभी कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत ग्राम नौनिया के पास से तीन ट्रैक्टर–ट्रॉली पर लदी स्टील स्क्रैप 20 क्विंटल, प्लास्टिक स्क्रैप 22 क्विंटल व बियर की बोतल 16 क्विंटल बरामद कर लिया। साथ ही दो तस्करों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में पकड़े गए आरोपियों ने अपना नाम अरुण व राम केवल निवासी नवल परासी नेपाल बताया। पकड़े गए कबाड़ नेपाल से अवैध तस्करी के जरिए भारतीय सीमा क्षेत्र में लाई जा रही थी। बरामद किए गए सभी सामानों को दूठीबारी कस्टम को सुपुर्द कर दिया गया।

प्रिंसिपल की अश्लील हरकत सामने लाईं तो स्कूल से काट दिया छात्राओं का नाम

संवाददाता–देवरिया। बघौचघाट थाना क्षेत्र के एक प्राइवेट विद्यालय के प्रिंसिपल की शर्मनाक करतूत का कुछ छात्राओं ने भंडाफोड़ किया है। प्रिंसिपल छात्राओं को परीक्षा में अच्छे अंक दिलाने का झांसा देकर ऑफिस में बुलाता था। आगे की पढ़ाई में सहयोग करने का लालच देता था। फिर उनके साथ अश्लील हरकत करता था। प्रिंसिपल की करतूस से आजिज छात्राओं ने घरवालों से आपबीती सुनाई। मुख्यमंत्री पोर्टल पर भी इसकी शिकायत हुई। आरोप लगाने वाली छात्राओं का नाम स्कूल से काट दिया गया और अब बोर्ड परीक्षा में फेल कराने की धमकी मिल रही है। बघौचघाट थाना क्षेत्र के एक प्राइवेट विद्यालय के प्रिंसिपल की करतूत कुछ दिन पहले उजागर हुई। प्रिंसिपल कुछ छात्राओं को अक्सर अपनी ऑफिस में बुलाकर उनको तरह–तरह के प्रलोभन देता था। इसकी आड़ में वह छात्राओं से अश्लील हरकतें करता था। हालांकि विद्यालय में सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। सभी चालू हालत में भी हैं, लेकिन जिस वक्त प्रिंसिपल शर्मनाक करतूस को अंजाम देता था, उस समय सीसीटीवी कैमरा बंद कर दिया जाता था। आरोप है कि प्रिंसिपल की इस करतूत में कई टीचर भी शामिल हैं। यह सिलसिला काफी दिनों से चल रहा था, लेकिन छात्राएं डर और शर्म की वजह से ये बातें किसी से नहीं कहती थीं। पिछले सप्ताह जब कुछ छात्राओं के साथ इस तरह की शर्मनाक हरकत हुई, तो उन्होंने साहस कर इसे अपने परिजनों से बताया था। आरोप है कि आनन–फानन में विद्यालय प्रशासन की ओर से छात्राओं पर ही अनुशासनहीनता का आरोप लगाकर उनका नाम काट दिया गया। अब जुबान खोलने पर उन छात्राओं को परीक्षा में फेल करा देने और उनके आचरण प्रमाणपत्र को खराब करने की धमकियां दी जा रहीं हैं। परीक्षा में फेल होने की भय से छात्राएं सहमी हुई हैं। परिजन भी बदनामी की डर से मुंह खोलना ठीक नहीं समझ रहे हैं। उधर, मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत के बाद भी पुलिस कार्रवाई से परहेज कर रही हैं। इंस्पेक्टर मृत्युंजय राय ने बताया कि ऑनलाइन शिकायत प्राप्त हुई थी। जांच कर रिपोर्ट भेज दी गई है। तहरीर आने पर केस दर्ज किया जाएगा।

जूता चप्पल की दुकान में आग लगी, लाखों का नुकसान

संवाददाता–महराजगंज। कस्बे के जानकी नगर वार्ड में मंगलवार तड़के एक जूता–चप्पल की दुकान में आग लग गई। इससे लाखों रुपये के सामान जलकर राख हो गए। जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंची दमकल की गाड़ियों ने घंटों मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। नौतनवा कस्बा के वार्ड नंबर 8 मधुबन नगर निवासी रवि जायसवाल की वार्ड नंबर 18 जानकी नगर वार्ड में फल मंडी में जूता–चप्पल की दुकान है। सोमवार की रात करीब सात बजे वह दुकान बंद कर घर चले गए। मंगलवार की सुबह करीब चार बजे शॉर्ट सर्किट से दुकान में आग लग गई। आसपास के लोगों ने उन्हें सूचना दी। सूचना मिलते ही दुकानदार मौके पर पहुंच गए।

दुकान के अंदर से आग की लपटें शटर के बाहर निकल रही थीं। आग की लपटें इतनी तेज थी कि लोगों में दहशत फैल गई। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। मौके पर चौकी प्रभारी योगेंद्र कुमार मयफोर्स के साथ पहुंच गए। पुलिस क्षेत्राधिकारी जयप्रकाश त्रिपाठी ने बताया कि आग पर काबू पा लिया गया है।

रोहिन नदी मे बालू के अवैध खनन पर छापेमारी, ध्वस्त की गई 12 बैलगाड़ी

संवाददाता–महराजगंज। डीएम अनुनय झा के निर्देश पर सोमवार की देर रात नायब तहसीलदार देशदीपक तिवारी व खनन निरीक्षक अजीत कुमार ने चौक थानाध्यक्ष प्रशांत पाठक के साथ केवलापुर खुर्द गांव के समीप रोहिन नदी के घाट पर छापेमारी किया। रात में इस कार्रवाई से बालू के अवैध खनन करने वालों में हड़कंप मच गया। बालू लदी 12 बैलगाड़ियों को छोड़ फरार हो गए। प्रशासन ने जेसीबी बुलाकर बैलगाड़ियों को ध्वस्त करा दिया।

जिला प्रशासन को मुखबिर के जरिए सूचना मिली थी कि चौक क्षेत्र में रोहिन नदी से रात में बालू का अवैध खनन किया जा रहा है। सूचना पर डीएम अनुनय झा व एडीएम डॉ. पंकज कुमार वर्मा के निर्देश पर नायब तहसीलदार देशदीपक त्रिपाठी, खनन निरीक्षक अजीत कुमार चौक थाने से पुलिस टीम लेकर छापेमारी किया। इस दौरान वहां रोहिन नदी से अवैध तरीके से बालू निकाल बैलगाड़ियों पर लाद कर ले जाया जा रहा था। टीम ने बालू के अवैध परिवहन में लगी 12 बैलगाड़ी को पकड़ लिया। टीम को देकर बैलगाड़ी छोड़ हकवान व तस्कर फरार हो गए। बालू बरामद कर टीम ने जेसीबी बुलाकर बैलगाड़ियों को ध्वस्त कर दिया। नायब तहसीलदार देश दीपक त्रिपाठी ने बताया कि जिलाधिकारी के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई है। तस्करों को चिन्हित किया जा रहा है। उनके खिलाफ विधिक कार्रवाई की जाएगी।

तेंदुए के खौफ से साइकिल छोड़कर भागा युवक

संवाददाता–बलरामपुर। साइकिल सवार युवक को सोमवार रात नहर किनारे तेंदुए ने दौड़ा लिया। पीछा कर तेंदुआ करीब आता देख युवक साइकिल छोड़कर भाग निकला। तेंदुए के बढ़ते खौफ को देखते हुए उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, वन्य जीव विशेषज्ञ डा. आरके सिंह को दोबारा बुलाया गया। विभाग ने तेंदुआ पकड़ने को 13 पिंजरे लगाए हैं जिसमें केवल दो में ही बकरे बांधे जा रहे हैं। विभाग खाली पिंजरों के सहारे तेंदुआ पकड़ने को जुगत भिड़ा रहा। वन कर्मी रात में काम्बिंग करने के नाम पर केवल औपचारिकता पूरी करते दिख रहे हैं।

तराई क्षेत्र में पिछले डेढ़ माह से तेंदुए का खौफ फैला है। छह मासूम बच्चे अबतक तेंदुए का शिकार बन चुके हैं। अब तक दो मादा तेंदुओं को पकड़ा जा चुका है। विभाग नर तेंदुए की तलाश में जुटा हुआ है। सोमवार रात 22 वर्षीय राहुल कुमार खैरहनिया गांव से अपने घर बुड़ंतपुर लौट रहे थे। सोमवार रात लगभग साढ़े आठ बजे नहर किनारे उन्होंने तेंदुआ बैठा देखा। वह चुपचाप साइकिल से आगे बढ़ निकले। पीछे आहट होने पर मोबाइल की रोशनी में देखा तो तेंदुआ उनकी ओर बढ़ता आ रहा था। राहुल ने अपनी साइकिल छोड़ दी और वह पैदल ही भाग निकला। लगभग 12 बजे रात को वह अपने घर पहुंचा। सुबह पांच बजे अन्य ग्रामीणों के साथ आया तो साइकिल नहर किनारे पड़ी मिली। विभाग का दावा है कि तेंदुआ तलाशने को कई टीमें काम कर रही हैं। दावा यह भी है कि 13 पिंजरे व 20 से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। बेलवा गांव के निकट बहदिनवा नाला में सेफ्टी ट्रैक्टर लगाने व मचान से तेंदुए की निगरानी का काम चल रहा है। शासन ने अभी तेंदुए को नरभक्षी घोषित नहीं किया है। उसे बेहोश कर पकड़ने का आदेश जारी किया गया था। आदेश यह भी है कि पिंजरे में बकरा बांधकर तेंदुए को फंसाया जाए। तेंदुए को ट्रेंकुलाइज करने वाले चिकित्सक डा. आरके सिंह अपने कार्य स्थल जौनपुर वापस लौट चुके हैं। तेंदुए पर गोली चलाने का आदेश नहीं है। वन विभाग के पास एक मात्र विकल्प पिंजरा ही बचा है।

ओवर लोडिंग व बिना फिटनेस पकड़ी गई डीसीएम, चालक लेकर फरार

संवाददाता–बलरामपुर। ओवर लोडिंग व बिना फिटनेस पकड़ी गई डीसीएम का चालक सोमवार देर रात एआरटीओ कार्यालय परिसर से गाड़ी लेकर फरार हो गया। भागते समय मुख्य गेट पर जोरदार टक्कर मारी, जिससे दीवारें क्षतिग्रस्त हो गईं। एआरटीओ ने वाहन स्वामी व चालक के विरुद्ध थाना देहात में तहरीर दी है। उप संभागीय परिवहन अधिकारी अरविंद यादव सोमवार देर रात तक वाहनों की जांच में टीम के साथ लगे रहे। उन्होंने बहराइच की ओर जा रही एक डीसीएम पकड़ी। गाड़ी ओवरलोड थी और उसके फिटनेस का समय भी समाप्त हो चुका था। डीसीएम को एआरटीओ कार्यालय परिसर में लाकर खड़ा कराया गया। उसके बाद एआरटीओ अन्य वाहनों की जांच के लिए निकल पड़े। चूंकि अन्य वाहनों को भी कार्रवाई के लिए एआरटीओ कार्यालय परिसर लाया जाना था, इसलिए मुख्य गेट में ताला नहीं लगाया गया। सन्नाटा होते ही चालक ने डीसीएम स्टार्ट की और गेट पर जोरदार टक्कर मारी। चूंकि गेट पहले से ही खुला हुआ था फिर भी दीवारों में कई स्थानों पर दरार आ गई। लोहे का गेट भी क्षतिग्रस्त हो गया। चौकीदार ने मामले की जानकारी एआरटीओ अरविंद यादव को दी। एआरटीओ ने बताया कि थाना देहात में तहरीर देकर मामले से अवगत कराया गया है। डीसीएम पर कार्रवाई कर दी गई है। चालक को पुलिस शीघ्र ही गिरफ्तार करेगी।

साथ काम करते–करते एक–दूसरे की मोहब्बत में पड़ गईं दो लड़कियां, रचाई शादी

संवाददाता–देवरिया। आर्केस्ट्रा में साथ काम करने वाली दो युवतियों ने सोमवार को मंदिर में एक दूसरे से शादी रचा ली। दोनों युवतियां पश्चिम बंगाल की रहने वाली हैं। दोनों ने अपनी शादी का नोटरी शपथपत्र भी बनवाया है। उनका कहना है कि वे साथ ही जिएंगी और मरेंगी। दो युवतियों की यह शादी क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है। देवरिया के लार थाना क्षेत्र एक वार्ड का युवक ग्राम सभा चनुकी में आर्केस्ट्रा चलाता है। आर्केस्ट्रा में काम करने वाली दोनों लड़कियां एक–दूसरे के इतना करीब आ गईं कि उन्हें अलग होकर रहना नामुमकिन लगने लगा। दोनों पश्चिम बंगाल के अक्षयनगर रिफ्यूजी कालोनी साउथ 24 परगना की रहने वाली हैं। मिली जानकारी के अनुसार वे करीब दो साल से एक दूसरे के साथ पति पत्नी के तरह रहती थी। दोनों ने सोमवार को मझौलीराज में स्थित भगड़ा भवानी माता मंदिर में देवी मां को साक्षी मानकर एक दूसरे के साथ शादी रचा ली। इसके बाद उन्होंने मंदिर के पुजारी से आशीर्वाद लिया। इस समलैंगिक विवाह को लेकर लोगों के बीच चर्चाओं का बाजार गर्म रहा। दो युवतियों की आपस में हो रही शादी देखने के लिए मंदिर के पास लोगों की भीड़ लगी रही। दोनों युवतियों का कहना था कि वे बहुत दिनों से एक दूसरे से विवाह करना चाहती थीं। इसके लिए भाटपाररानी तहसील से बकायदा नोटरी शपथ पत्र भी बनवाया। उसमें स्पष्ट रूप से लिखा कि वे अपनी मर्जी से एक दूसरे शादी कर रही हैं। इसमें किसी को भी कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए। कुछ दिन पूर्व शादी करने के लिए दीर्घेश्वरनाथ मंदिर में भी गई थीं। वहां पुजारी ने कहा कि डीएम से अनुमति पर यहां शादी होगी। इसके बाद दोनों ने भगड़ा–भवानी माता मंदिर में शादी करने का फैसला किया। युवतियों का कहना है कि उन्हें किसी की परवाह नहीं। अगर किसी को इससे परेशानी है तो उन्हें जिंदगी के ही बंधन से मुक्त कर दिया जाय।

आईबीएम के मंडलीय सम्मेलन मे विभिन्न मुद्दों पर हुआ मंथन

संवाददाता–बहराइच। अंतर्राष्ट्रीय ब्राह्मण महासंघ के तत्वावधान में शहर के केडी पैलेस में मंडलीय सम्मेलन आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि प्रदेश महासचिव सर्वेश पाठक रहे। सम्मेलन की शुरुआत मां सरस्वती व भगवान परशुराम के चित्र पर पुष्पांजलि व दीप प्रज्ज्वलित कर की गई। महासंघ के पदाधिकारियों ने प्रदेश महासचिव को फरसा भेंट कर उनका स्वागत किया।

प्रदेश महासचिव पंडित सर्वेश पाठक ने कहा कि ब्राह्मणों में बुद्धि व कार्य करने की क्षमता की कमी नहीं है। ब्राह्मणों में बिखराव देखने को मिल रहा है। जिससे हम समाज में कमजोर साबित हो रहे हैं। ऐसे में हम सभी को एकजुट रहना होगा। एकजुटता से ही ब्राह्मण समाज का उत्थान संभव है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जिलाध्यक्ष डॉ. विकास मिश्रा ने कहा कि सभी महासंघ को ग्रामीण स्तर पर मजबूत बनाने में जुटें। समाज के हर व्यक्ति को महासंघ से जोड़ें, ब्लॉक स्तर पर टीम तैयार करें।

सम्मेलन में मंडल के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अंशुमान शुक्ला, मंडल मीडिया प्रभारी विनोद त्रिपाठी, जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष पंकज मिश्रा, जिला उपाध्यक्ष गंगाराम शुक्ला, जिला प्रवक्ता अजय शुक्ला, जिला संगठन मंत्री राजेश द्विवेदी, मितवर्धन द्विवेदी, मनीष उपाध्याय, जिला कोषाध्यक्ष प्रदीप दुबे, विशेश्वरगंज ब्लॉक अध्यक्ष कन्हैयालाल पांडे उपाध्याय, रूप नारायण द्विवेदी, चित्तौरा ब्लॉक अध्यक्ष दुर्गेश तिवारी, हुजूरपुर ब्लॉक अध्यक्ष विपिन तिवारी, श्रावस्ती जिला प्रभारी अखंड प्रताप पाठक, श्रावस्ती संगठन मंत्री मनदीप दुबे, बलरामपुर जिला अध्यक्ष युवा मोर्चा हिमांशु मिश्रा, योगेंद्र शुक्ला आदि लोग मौजूद रहे। इस दौरान जिला संगठन मंत्री राजेश दुबे को मंडल उपाध्यक्ष बनाया गया।

राष्ट्र उत्थान के लिए हर नागरिक समझे अपनी जिम्मेदारी -राहुल रस्तोगी

संवाददाता–बलरामपुर। विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत तुलसीपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत सिंगाही व भंभरी में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश संगठन मंत्री राहुल रस्तोगी, जिला पंचायत अध्यक्षा आरती तिवारी, विशिष्ट अतिथि तुलसीपुर विधायक कैलाश नाथ शुक्ल व भाजपा नेता श्याम मनोहर तिवारी को ग्राम प्रधान बाबूलाल तथा विनय मिश्रा ने बुके एवं अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में चौपाल लगाकर लोगों को केंद्र व प्रदेश सरकार के जन कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी देते हुए जागरूक किया गया।

जिला पंचायत अध्यक्षा आरती तिवारी ने कहा कि मोदी व योगी की सरकार में सपने और संकल्प दोनों ही साकार हो रहे हैं। भाजपा का संकल्प एक तरफ जहां देश को विकसित राष्ट्र बनाने का है, वहीं समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक लाभकारी योजनाओं को पहुंचाने का काम भी किया जा रहा है। भाजपा सरकार सबका साथ सबका विकास के तहत बिना भेदभाव के सभी को योजनाओं का लाभ सभी को दे रही है। विधायक कैलाश नाथ शुक्ला ने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान सरकार की योजनाएं व सुविधाएं लोगो तक पहुंच रहे हैं। पीएम मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत बनाने का सपना जरूर साकार होगा। 2047 तक विकसित देश बनकर उभरेगा। प्रदेश संगठन मंत्री राहुल रस्तोगी ने कहा की प्रधानमंत्री के नेतृत्व में विकसित भारत के लक्ष्यों को प्राप्त करने में प्रत्येक नागरिक की भूमिका अहम है। देश तभी विकसित सकता है जब यहां का हर नागरिक इसे अपनी जिम्मेदारी समझते हुए राष्ट्र उत्थान के लिए कार्य करें। बीडीओ राजीव मोहन त्रिपाठी ने वहां मौजूद लोगों को आवास, पेंशन, बिजली, गैस, जनधन योजना, सम्मान निधि अन्य सहित योजनाओं की जानकारी दी। स्वास्थ्य विभाग ने शिविर में आए लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। ड्रोन से नैनो यूरिया व डीएपी का प्रदर्शन किया गया। कृषि विभाग ने योजनाओं के साथ आधुनिक खेती के बारे में जानकारी दी। स्वयं सहायता महिलाओं को उनके दायित्व के बारे में जानकारी दी। इस मौके पर एडीओ कोऑपरेटिव विनोद यादव, एपीओ आलोक सिंह सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

विकसित भारत कार्यक्रम में विधानसभा बलरामपुर के ग्राम सभा डकही के कार्यक्रम में लोगों को सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई। मुख्य अतिथि पूर्व जिला महामंत्री डा. अजय सिंह पिंकू ने केंद्र व राज्य सरकार की लोक एवं जन कल्याणकारी योजनाओं के बारे में लोगों को जानकारी दी। कहा कि जो पात्र व्यक्ति सरकारी योजनाओं का लाभ पाने से वंचित हैं उन्हें योजनाओं का लाभ दिलाने का काम किया जा रहा है। उन्होंने सबका साथ सबके विकास के तर्ज पर भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प पूरा करने लिए लोगों को शपथ दिलाई। इस अवसर पर बीडीओ सागर सिंह, मंडल अध्यक्ष शिव प्रताप सिंह, ग्राम पंचायत सचिव सुमित सिंह, युवा मोर्चा अध्यक्ष रजनीश पांडेय, अनुराग सिंह, प्रधान मुख्तार अंसारी, विनोद ओझा, रजनीश सहित भारी संख्या में ग्रामीण तथा अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

योग कर लोगों को स्वस्थ रहने का दिया संदेश

संवाददाता–श्रावस्ती। एसएसबी वाहिनी मुख्यालय में योग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में एसएसबी जवानों को योगाभ्यास कराया गया। साथ ही लोगों को योग को जीवन का हिस्सा बनाने को किया गया प्रेरित। कार्यवाहक कमांडेन्ट संदीप कुमार जेटली के निर्देशन में मंगलवार सुबह 62वीं वाहिनी मुख्यालय भिनगा में योगाभ्यास शिविर का आयोजन किया गया। वाहिनी के एसएसबी जवानों को योगाभ्यास कराया गया। साथ ही जवानों को प्रतिदिन योग करने और हमेशा स्वस्थ्य रहने के गुर सिखाए गए। इसके अलावा योग के महत्व बताए गए। कार्यवाहक कमांडेन्ट ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति योग के माध्यम से स्वस्थ्य रह कर खुद को निरोग व अपने जीवन को खुशहाल बना सकता है। उन्होंने कहा कि योग हमारे स्वस्थ्य के लिए बेहद जरूरी है। योग करने वाला व्यक्ति हमेशा ही निरोगी रहता है। वाहिनी मुख्यालय के अलावा सभी सीमा चौकियों व कैम्पों में भी योग शिविर का आयोजन कर जवानों को योगाभ्यास कराया गया। इस मौके पर उपकमांडेन्ट निरुपेश कुमार, उपकमान्डेंट सोनू कुमार, निरीक्षक रमेश कुमार आदि मौजूद रहे।

भारत संकल्प यात्रा में शामिल हुए केन्द्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्त

संवाददाता–श्रावस्ती। भारतीय जनता पार्टी की ओर से चलाये जा रहे विकसित भारत संकल्प यात्रा अभियान में मंगलवार को केन्द्रीय मंत्री व भाजपा प्रदेश प्रवक्ता शामिल हुए। मंत्री ने भाजपा सरकार की उपलब्धियां गिनाई।

भारतीय जनता पार्टी के विकसित भारत संकल्प यात्रा का अभियान चल रहा है। इसी क्रम में केंद्रीय मंत्री भारत सरकार फग्गन सिंह कुलस्ते और भाजपा उत्तर प्रदेश के प्रदेश प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी विकसित भारत संकल्प यात्रा में शामिल हुए। केंद्रीय मंत्री भारत सरकार फग्गन सिंह कुलस्ते ने गिलौला की ग्राम पंचायत दन्दौली तथा विकासखण्ड हरिहरपुर रानी की ग्राम पंचायत पटना खरगौरा के जनता इंटर कॉलेज में विकसित भारत संकल्प यात्रा को संबोधित किया। इस दौरान केंद्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते ने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा के माध्यम से समाज में अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक सरकार खुद पहुंच रही है। उसे अपनी योजनाओं से जोड़ रही है। भिनगा विधानसभा के सिरसिया विकासखंड के ग्राम पंचायत गढ़ी और हरैया तराई में भाजपा उत्तर प्रदेश के प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी ने जन मानस को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी का मतलब सुशासन और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ घर–घर व जन–जन तक पहुंचाने की गारंटी है। मोदी सरकार समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ बिना किसी भेदभाव के पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रमों में विभिन्न विभागों की ओर से शिविर लगाकर योजनाओं के लिए पात्रों का पंजीयन, स्वास्थ्य चेकअप, कृषि आदि के माध्यम से लोगों को लाभान्वित किया गया तथा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

इस दौरान लोकसभा प्रभारी अवधेश श्रीवास्तव, शंकर दयाल पाण्डेय, जिला पंचायत अध्यक्ष दद्दन मिश्रा, विधायक श्रावस्ती राम फेरन पाण्डेय, पूर्व जिलाध्यक्ष संजय कैराती पटेल, महेश मिश्रा, जिला महामंत्री दिवाकर शुक्ला, प्रेम सिंह नायक, रमन सिंह, पूजा पाण्डेय, दिनेश सिंह, गिरीश तिवारी, अरुण पाण्डेय, जिला मीडिया प्रभारी संजू तिवारी, नेकराम पाण्डेय, अनिल मिश्रा, ज्ञान वर्मा, ब्लॉक प्रमुख, मण्डल अध्यक्ष तथा ग्रामीण मौजूद रहे।

आजादी के आंदोलन का नहीं, किन्तु राम जन्मभूमि आंदोलन की चश्मदीद गवाह हूं -डा रानी अवस्थी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या।मैने आजादी का आंदोलन तो नहीं देखा किंतु श्री राम जन्मभूमि आंदोलन की चश्मदीद गवाह अवश्य रही हूं। मैं ने वह भी समय देखा जब श्री राम जन्मभूमि में ताला लगा था और अंदर एक पुजारी व बाहर एक होमगार्ड होता था। राजीव गांधी जी के समय में ताला खुला तथा हनुमान जी के रूप में एक विशालकाय वानर प्रातः 10 बजे से सायः कल 5:00 बजे तक कचहरी में फैसला सुनने के लिए बैठा था। 30 अक्टूबर से 2 नवंबर 1990 का वह जुनून लोगों में देखा जबकि लाखों श्रद्धालु पूरे भारत से दूर–दूर से आए थे। सड़कों पर केवल भगवा ही भगवा था। पैदल चलने की भी जगह नहीं थी। उस समय ऐसा कर्फ्यू था कि रेलवे वह सड़क मार्ग ही नहीं बंद था बल्कि नावे सरयू जी में उल्टी करके डूबा दी गई थी। कार सेवक स्वयं कहीं नाव चलाकर अथवा पैदल नदी पार कर आ रहे थे। पूरी अयोध्या राममय हो गई थी। हर घर कारसेवकों का घर था जो मिला खा लिया, चाहे खिचड़ी हो या नमक, रोटी या अचार रोटी। कारसेवक कहते थे क्या है जो है वही दे दो। 24 घंटे हर घर में लंगर चलता था। मेरे घर पर भी बड़ी तादात में कारसेवक रुके थे। जिनमे से में किसी को नहीं जानती थी बस सभी को सेवा भाव से रखा था। मुझे याद है नया घाट पुल पर प्रातः लगभग 5:00 बजे 15000 लोग अचानक जमा हो गए और अयोध्या में भगवान राम के दर्शन के लिए प्रार्थना करने लगे किंतु वहां कुछ देर में भीड़ भगाने के लिए गोली की आवाज सुनाई दी और कई लोग मारे गए कुछ घायल भी हो गए वहाँ भगदड़ मच गई। सारा नजारा मेरे घर से ही दिख रहा था। मेरे घर पर गोरखपुर का एक किशोर रुका था। उसका भाई भी इसी गोलीकांड में शहीद हो गया था मैंने कहा बेटा अब तुम घर लौट जाओ पैसा ना हो तो हम दे रहे तो नौजवान ने कहा कि नहीं आंटी हम दोनों भाई सर पर कफन बांध कर आए है मैं वापस नहीं जाऊंगा। ऐसा ही जुनून सभी कारसेवकों में था। इसी प्रकार दर्शन करने की जिद में निहत्थे कारसेवकों पर शहीद गली में भी गोली चली। वह यादगार पल था कारसेवकों को विदा करते हुए उनके व हमारे दोनों की अश्रुधारा बह रही थी। मेरे अंदर भी एक अलग तरह का जुनून था। मैं अपने 5 वर्ष व 8 वर्ष के बच्चों को लेकर 1990 में जन्मभूमि में हो रही सभा में भाषण सुनने गई थी और जैसे ही मातगयन्द चौराहे पर आई गोली की आवाज सुनाई दी। मेरी और मेरी बेटी की फोटो टाइम्स आफ इंडिया में निकली थी जिसे देखकर इलाहाबाद में मेरे पापा को सब कह रहे थे तुम्हारी बेटी पकड़ी गई।पापा मुझसे कह रहे थे कि तुम यहाँ आ जाओ किंतु मैं नहीं गई मुझे भी कारसेवा करने मे आनंद आ रहा था। मैंने उस दौरान स्वयं शहीदों के अस्थिकलश को भी कारसेवक पुरम में उठा कर रखा।और अंत में जब अस्थाई चबूतरा बना तो उसमें तसले से मिट्टी ढोई और हाथ से थपथपा कर चबूतरा बनाने में भी सहयोग किया। उस समय लोगों में इतना उतावलापन था कि सभी एक दूसरे से तसला खींच रहे थे हर कोई चबूतरा बनाने के लिए उत्साहित था। यह सभी पल जीवन भर यादगार रहेंगे। हम लोग वहां से ईटे व मिट्टी भी लेकर आए थे जो की भक्तगण मांग मांग कर ले गए। आंदोलन से लेकर मंदिर बनने तक का सफर मैंने अपनी आंखों से देखा है। अब हमारे प्रभु मंदिर में विराजेंगे इससे बड़ा सौभाग्य और क्या होगा निश्चयी हमारे अयोध्या वासियों का मंदिर निर्माण में बहुत बड़ा योगदान है जो की आए दिन कर्फ्यू का दंड झेल कर जिये तथा घर जाने के लिए भी डंडे खाए हैं यही नहीं दुकाने भी एक–एक महीने बंद रही हैं। फिर भी अंत सुखद हुआ।

घर–घर बनेंगे पकवान, नए कपड़े पहनने का भी आह्वान

संवाददाता–गोण्डा। श्रीरामलला प्राण प्रतिष्ठा उत्सव को यादगार बनाने के लिए अयोध्या के पड़ोसी जनपद गोण्डा में भी तैयारियां जोर–शोर से की जा रही है। 22 जनवरी को जिले के हर मंदिर में सुंदरकांड व हनुमान चालीसा का पाठ किए जाने के साथ त्योहार की तरह इस दिन मनाने की तैयारी की जा रही है। घर–घर अक्षत लेकर पहुंच रहे आरएसएस व विहिप कार्यकर्ता लोगों से उस दिन पकवान बनाने के साथ नए कपड़े धारण करने का आह्वान कर रहे हैं।

अयोध्या में आयोजित श्रीराम लला प्राण प्रतिष्ठा को लेकर जिले में अक्षत व पत्रक वितरण लगातार आरएसएस व विहिप से जुड़े लोग बांट रहे हैं। अक्षत वितरण के दौरान विहिप से जुड़े पदाधिकारी व कार्यकर्ता 496 वर्षों के संघर्ष को बताना नहीं भूलते हैं। यह भी बताना नहीं भूलते कि यह अक्षत अयोध्या जाने के लिए आमंत्रण नहीं है बल्कि लोगों के भावनात्मक जुड़ाव के लिए है। दो लाख परिवारों तक पहुंच चुके हैं आरएसएस कार्यकर्ता रू अयोध्या का पूजित अक्षत लेकर विहिप व आरएसएस कार्यकर्ता जिले में लाख परिवारों तक पहुंच चुके हैं। इसके साथ ही अन्य हिंदू संगठनों से कार्यकर्ता भी अक्षत वितरण में दिन–रात एक किए हुए हैं। दर्शन के लिए तिथि निर्धारित रू अयोध्या में राम लला के दर्शन के लिए तिथि तय कर दी गई है। आरएसएस व विहिप से जुड़े लोगों को 31 जनवरी से एक फरवरी के बीच दर्शन करने का समय निर्धारित किया गया है। विहिप के प्रांत धर्म यात्रा प्रमुख राकेश वर्मा गुड्डू ने बताया कि इन दो तिथियों में अवध क्षेत्र के कार्यकर्ताओं को राम लला का दर्शन कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि अक्षत वितरण में लगे कार्यकर्ता लोगों को 22 जनवरी को त्योहार के रूप में मनाने और उस दिन नया वस्त्रधारण करने की अपील कर रहे हैं।

तकनीकी शिक्षा लेने के लिए किया प्रेरित

संवाददाता–गोण्डा। राजकीय पॉलिटेक्निक आदमपुर के शिक्षकों ने महाराजा देवी बख्श सिंह इंटर कॉलेज में छात्र–छात्राओं को पॉलिटेक्निक में प्रवेश लेने के लिए जागरूक किया। इस दौरान विद्यालय के प्रधानाचार्य जिलाध्यक्ष अजीत सिंह ने कहा कि पॉलिटेक्निक करने के बाद छात्र–छात्राओं को नौकरी मिलने में आसानी होती है। इसके बाद वह जूनियर इंजीनियर पद के लिए आवदेन करन सकते हैं। इसके अलावा लोको पायलट, टेक्निकल असिस्टेंट, और बहुत सारे सरकारी पदों के लिए भी आवेदन कर सकते हैं। राजकीय पॉलिटेक्निक आदमपुर के रसायन विज्ञान प्रवक्ता विपिन कुमार तिवारी ने छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए उन्होंने पॉलिटेक्निक के प्रवेश परीक्षा की जानकारी दी। कहा कि प्रवेश परीक्षा आवेदन 8 जनवरी से 29 फरवरी तक ऑनलाइन किए जा सकेंगे।

ससुराल से लौट रहे युवक की ट्रक की चपेट में आने से मौत

संवाददाता–देवरिया। ससुराल से घर लौट रहे बाइक सवार युवक की बेकाबू ट्रक की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई। घटना तरकुलवा कस्बे के समीप एक मैरेज हॉल के सामने हुई। घटना के बाद पीछे से आ रही मारुती गाड़ी को दूसरे ट्रक ने ठोकर मार दी, जिससे कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद सड़क पर वाहनों का लंबा जाम लग गया। करीब एक घंटे तक आवागमन ठप हो गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। खुखुन्दू थाना क्षेत्र के अमवा पांडेय गांव निवासी हिमांशु पांडेय (30) पुत्र भूपेंद्र मंगलवार की दोपहर में अपने ससुराल कुशीनगर जिले के डुमरभार से वापस घर लौट रहे थे। वह तरकुलवा थाना क्षेत्र के देवरिया–कसया मार्ग पर ओम मैरेज हाल के पास पहुंचे थे कि सामने से आ रहे ट्रक ने ठोकर मार दी, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। घटना के बाद पीछे से आ रहे मारुती कार सवार नेबुआ नौरंगिया थाना क्षेत्र के खैरटिया गांव निवासी सतीश को दूसरे ट्रक ने पीछे से ठोकर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया और उसकी गाड़ी भी क्षतिग्रस्त हो गई। इस दौरान सड़क पर गाड़ियों का लंबा जाम लग गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर यातायात बहाल कराई। उधर मौत की सूचना मिलते ही मृतक के घर कोहराम मच गया।

जिला अस्पताल की इमरजेंसी में मेडिकल कालेज के छात्रों का तांडव

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। मेडिकल कॉलेज से संबद्ध जिला अस्पताल की इमरजेंसी में मेडिकल छात्रों ने सोमवार की आधी रात जमकर तांडव मचाया। तीमारदार से लेकर आउटसोर्सिंग कर्मचारियों पर जमकर लाठी–डंडे और सरिया बरसाई। कट्टा लहराते हुए बीमार महिला के पुत्र को जान से मारने की धमकी दी। इमरजेंसी के मुख्य गेट से लेकर डॉक्टर के चैंबर व खिड़कियों के शीशे टूट गए। जूनियर डॉक्टर पर छात्रों को उकसाकर अस्पताल बुलाने का आरोप है। मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य ने इस मामले में दो डॉक्टरों को हटा दिया है। जिला अस्पताल से लेकर मेडिकल कॉलेज तक फोर्स तैनात कर दी गई है। सोमवार रात करीब 11 बजे जिला अस्पताल के इमरजेंसी में पास के ही बसडिलिया गांव के राजन पाण्डेय अपनी मां विंध्यवासिनी (65) पत्नी राम अजोर पांडेय को दिखाने ले गया था। उन्हें उल्टी–दस्त हो रही थी। इस बीच किसी बात को लेकर ड्यूटी पर तैनात डॉ. कृष्णा आनंद से कहासुनी हो गई। बताया जा रहा है कि डॉक्टर ने गार्डों को बुलाकर राजन पांडेय को बाहर निकलवा दिया। इस बीच सूचना मेडिकल कॉलेज के छात्रों तक पहुंच गई। देखते ही देखते सैकड़ों की संख्या में मेडिकल छात्र लाठी–डंडा, सरिया लेकर जिला अस्पताल की इमरजेंसी में पहुंच गए। इसके बाद उन्होंने ऐसा बवाल काटा कि भगदड़ मच गई। राजन पांडेय, उनकी बीमार मां व बहन के साथ आउटसोर्सिंग कर्मचारियों व कुछ तीमारदारों से बुरी तरह मारपीट की। जो भी मिला, उसे जमकर पीटते रहे। बीच बचाव करने पहुंचे अस्पताल के गार्डों में से भी एक को थप्पड़ जड़ दिया। इसके बाद छात्रों की भीड़ इतनी अधिक हो गई थी चाह कर कोई बचाने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा था। तोड़फोड़ में जिला अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड, डॉक्टर के चौंबर व खिड़कियों के शीशे टूट गए। पुलिस फोर्स व मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य के पहुंचने पर मामला थमा।

एएसपी, एसडीएम, सीओ ने मौका मुआयना कर कहा कि मामले की जांच कर कार्रवाई की जाएगी। जिला अस्पताल से लेकर मेडिकल कॉलेज तक फोर्स तैनात कर दी गई है। पीड़ित की ओर से एसपी को तहरीर देकर डॉक्टर व मेडिकल छात्रों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है। तांडव का शिकार हुए आउटसोर्सिंग कर्मियों के साथ अन्य कर्मियों ने तत्काल ड्यूटी करने से मना कर दिया। इसकी जानकारी होते ही अस्पताल प्रशासन के हाथ–पांव फूल गए। प्राचार्य डॉ. एके झा मौके पर पहुंचे और उन्होंने समझा–बुझाकर कर्मचारियों को शांत कराया। इसके बाद आउट सोर्सिंग कर्मी काम पर लौटे। एएसपी, एसडीएम, सीओ ने मौका मुआयना कर पीड़ितों को कार्रवाई का आश्वस्त किया। इसके बाद मामला शांत हुआ। बताया जा रहा है कि विवाद में इमरजेंसी ड्यूटी पर तैनात डॉ. कृष्णा आनंद की गलती बताकर संविदा कर्मियों ने बीमार व उसके साथ आए तीमारदारों का साथ दिया तो मेडिकल के छात्रों ने उन्हें भी अपना निशान बना लिया। एक–एक कर सभी संविदा कर्मी पीटे गए।

विवाद के बाद सैकड़ों की संख्या में पहुंचे मेडिकल छात्रों ने तैनात डॉ. कृष्णा आनंद से पूछा कि किस से विवाद हुआ तो उन्होंने छात्रों से कहा दाढ़ी वाले से। इसके बाद मेडिकल छात्रों ने जितने भी दाढ़ी वाले नजर आए, उन्हें लाठी–डंडा, सरिया से पीटना शुरू कर दिया। कई बेकुसूर भी शिकार हो गए। मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ.एके झा ने बताया कि मेडिकल कॉलेज में पढ़ने वाले छात्रों के लिए नियम बना है। वे रात नौ बजे के बाद परिसर से बाहर नहीं निकल सकते हैं। रात 11 बजे वह लोग कैसे निकलकर जिला अस्पताल पहुंच गए, इसकी जांच की जाएगी।

अपनी मां को जिला अस्पताल दिखाने गए सिद्धार्थनगर थाना क्षेत्र के बसडिलिया गांव निवासी राजन पांडेय पुत्र राम अजोर पांडेय ने मंगलवार को एसपी को तहरीर दी। आरोप लगाया कि वह अपनी वृद्ध मां को दिखाने गया था। मां को शुगर की बीमारी का इंजेक्शन लगाने की बात को लेकर तैनात डॉ. कृष्ण आनंद से कहासुनी हो गई। तैनात गार्ड को बुलाकर उसे बाहर करा दिया। डॉक्टर ने फोन कर मेडिकल कॉलेज से छात्रों को बुला लिया। वे लोग आए और उसे, बीमार मेरी मां व बहन वंदना को मारा–पीटा। सर्जिकल ब्लेड से हमला कर उसे लहूलुहान कर दिया। मेरी गाड़ी का शीशा तोड़ दिया। कट्टा दिखा कर जान से मारने की धमकी दी। उसने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। अस्पताल में घटी घटना को मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. एके झा ने गंभीरता से लेते हुए मंगलवार को इमरजेंसी में नाइट ड्यूटी कर रहे आरोपी जूनियर रेजीडेंट डॉ. कृष्णा आनंद व रात की ड्यूटी से नदारद रहने वाले जूनियर रेजीडेंट डॉ. मनमोहन चौधरी को हटा दिया है। अस्पताल में विवाद होने के बाद इमरजेंसी में तैनात डॉ. कृष्ण आनंद व ड्यूटी के दौरान अनुपस्थित रहने वाले डॉ. मनमोहन चौधरी को हटा दिया गया है। पूरे प्रकरण की जांच की जा रही है। जांच के बाद कार्रवाई होगी। डॉ. ललित कुमार मिश्र, एसडीएम सदर ने घटना के बाद मेडिकल कॉलेज व जिला अस्पताल का दौरा किया गया। मामले को प्रशासन ने गंभीरता से लिया है। प्रकरण की जांच की जा रही है। जो भी दोषी होगा, उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। फोर्स तैनात कर दी गई है। स्थिति शांतिपूर्ण है।

एएसपी ने कहा कि बसडिलिया गांव के राजन पांडेय अपनी मां का इलाज कराने अस्पताल गए थे। आरोप है कि इस दौरान राजन पांडेय व आउटसोर्सिंग कर्मचारियों का डॉक्टर से कहासुनी के बाद विवाद हो गया। अभी कोई तहरीर नहीं मिली है। मामले की जांच की जा रही है। तहरीर मिलने के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। फोर्स तैनात है। स्थिति नियंत्रण में है।

भव्य श्रीराम मंदिर का स्वर्ण द्वार बनकर तैयार, सोने की परत लगाई गई है

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या में निर्माणाधीन भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर का स्वर्ण द्वार बनकर तैयार है। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। द्वार के पाटों पर सोने की परत चढ़ाई गई है। भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर में 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा होगी जिसके लिए तैयारियों की जा रही हैं।

अब गाय-भैंस रखने के लिए लेना होगा लाइसेंस हर साल नवीनीकरण कराना भी जरूरी

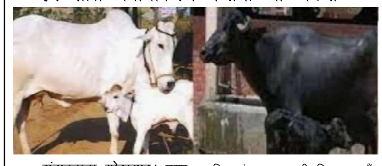

संवाददाता–गोरखपुर। नगर निगम क्षेत्र में दो या उससे अधिक गाय–भैंस रखने वाले सभी लोगों को नगर निगम से लाइसेंस लेना होगा। गाय के लिए 500 रुपये और भैंस के लिए एक हजार रुपये लाइसेंस शुल्क जमा होगा। हर साल नवीनीकरण कराना होगा। शासन की ओर से डेयरी को लेकर तैयार उपविधि को नगर निगम बोर्ड ने गत दिनों अपनी मंजूरी दे दी है। जल्द ही गजट प्रकाशन हो जाने की उम्मीद है, जिसके बाद निगम प्रशासन सख्ती शुरू कर देगा। अभी नगर निगम में प्रविधान नहीं होने की वजह से प्रभावी कार्रवाई नहीं हो पा रही थी। अधिकारी मौखिक जुर्माने की बात कहते थे, मगर कागजों तक यह कार्रवाई नहीं पहुंच पाती थी। नियमावली के अनुपालन के लिए नगर आयुक्त, लाइसेंस प्राधिकारी एवं निरीक्षण प्राधिकारी की नियुक्ति करेंगे। निगम प्रशासन के मुताबिक अब दो या दो से अधिक गाय व भैंस पालने वालों को वार्षिक लाइसेंस लेना होगा। इसकी अवधि एक अप्रैल से उस वित्तीय वर्ष तक के लिए होगी। लाइसेंस के लिए जरूरी है कि पशुपालक पशुओं को स्वस्थ दशा व स्वच्छ स्थान पर रखें। निरीक्षण के बाद ही लाइसेंस जारी किया जाएगा। प्रत्येक पशु के लिए आठ वर्ग मीटर का हवादार स्थल, ठंड, धूप और बारिश से बचाव के साथ खाने–पीने के लिए उचित इंतजाम जरूरी किए गए हैं। गोबर समेत अन्य कचरा, पशुशाला से कम से कम सात मीटर दूर रखनी होगी। डेयरी की फर्श भी पक्की होनी चाहिए। पशुपालक अप्रैल माह में लाइसेंस नहीं लेता तो उसे लाइसेंस शुल्क के अलावा पहले महीने के लिए 100 रुपये और उसके बाद के महीनों के लिए 50 रुपये प्रतिमाह विलंब शुल्क देना होगा। नियमों की अनदेखी पर पहली बार अवैध डेयरी संचालक पर एक हजार रुपये और दूसरी बार दो हजार रुपये जुर्माना देना होगा। अवैध डेयरी पर अधिकतम 50 हजार रुपये जुर्माना लगाया जा सकेगा। लाइसेंस लेने पर पशुपालक को निगम की ओर से टोकन मिलेगा, जिसे पशु की गर्दन में ऐसे बांधना होगा ताकि वह साफ तौर पर दिखाई दे। टोकन से गाय व भैंस के मालिक की पहचान हो सकेगी। नियमावली के मुताबिक कोई भी पशुपालक, सार्वजनिक स्थानों जैसे गली, सड़क, पार्क के आसपास गाय–भैंस को खुले में नहीं छोड़ सकेगा। पशुओं के परिवहन की अनुमति लेनी होगी। लोकहित में पशुओं को निगम सीमा के भीतर रखने के लिए नगर आयुक्त से अनुमति लेनी होगी। कचरा व गोबर हटाने में निगम सहयोग करेगा, लेकिन इसके लिए पशुपालकों को नियमानुसार भुगतान करना होगा।

ई रिक्शा में महिला की चेन चोरी

संवाददाता–गोरखपुर। एम्स थाना क्षेत्र में बेटे का उपचार कराने जा रही महिला के गले से सोने की चेन ई रिक्शा में चोरी हो गई। महिला के पति की सूचना पर अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज करके पुलिस जांच में जुटी है। पुलिस को तहरीर देकर कूड़ाघाट, सिंघड़िया निवासी अश्वनी कुमार दुबे ने बताया कि चार जनवरी को उनकी पत्नी वंदना, बेटे शिवांश को लेकर ई रिक्शा से एम्स जा रही थी। एयरफोर्स पुलिस चौकी के पास ई रिक्शा में छह महिलाएं सवार हुई। जगह कम होने पर महिलाएं धक्का मुक्की करने लगीं।

तीन पहिए माल वाहक से झांसी भेजते थे करोड़ों की मूंगफली, पोल खुली तो व्यापारियों में हड़कंप

संवाददाता–गोरखपुर। जिले में सेंट्रल और स्टेट जीएसटी की छापेमारी से हड़कंप है। जीएसटी की टीम ने शहर के साहबगंज व इस्माइलपुर में मूंगफली की पांच फर्मों पर छापेमारी की। वहां बड़ी मात्रा में चोरी पकड़ी गई है।एक ही परिवार के कई लोगों के नाम से संचालित इन फर्मों पर छापेमारी की सूचना के बाद से ही व्यापारियों के हाथ पांव फूल गए। इस्माइलपुर के तीन फर्मों के व्यापारी मौके से फरार हो गए। वही साहिबगंज के दो फार्मों से मिले व्यापारियों से टीम ने 15 लाख रुपए जुर्माना जमा कराया। सोमवार दोपहर से शुरू हुई छापेमारी देर रात तक चली। यह कार्रवाई एडिशनल कमिश्नर ग्रेड एक विमल कुमार राय के निर्देश पर की गई।

जीएसटी टीम को छापेमारी के दौरान पता चला कि मूंगफली कारोबारी ने कागज में अपने फर्मों के जरिए झांसी में माल बेचना दिखाया है। जिन वाहनों से यह माल झांसी भेजा गया, उनमें से तीन वहां तक की जगह तीन पहिए मिले हैं। यह कालाबाजारी सामने आते ही जीएसटी टीम ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया। छापेमारी के दौरान जीएसटी टीम को यह भी पता चला कि कई नंबर के ट्रकों का लोकेशन झांसी की जगह मुरादाबाद, लखीमपुर खीरी और सीतापुर पाया गया है। जीएसटी टीम के सामने जब यह जानकारी सामने आई तो व्यापारियों की बेचैनी बढ़ गई। इस पूरे मामले पर अफसर की अपनी निगाह है।

जॉइंट कमिश्नर विवेक सिंह व उदित नारायण सिंह के नेतृत्व में हुई छापेमारी में कारोबारी की खरीद फरोख्त में कई अनियमितताएं सामने आई हैं। जीएसटी अधिकारी इसकी गहनता से जांच पड़ताल कर रहे हैं। अपनी कार्रवाई से करीब 1 महीने पहले से जीएसटी के अधिकारी कर्मचारी टोल प्लाजा और अन्य जगहों से कारोबारी के संबंध में जानकारी जुटा रहे थे। अधिकारियों की टीम अपनी छानबीन जिन गाड़ियों से माल भेजा जा रहा था उनकी डिटेल भी एकत्रित कर रही है।जीएसटी की टीम ने इस्माइलपुर स्थित जेठू जी डिस्ट्रीब्यूटर, मदन लाल अशोक कुमार और नवदुर्गा ट्रेडिंग कंपनी पर छापा मारा। साहिबगंज में आदित्य ट्रेडिंग कंपनी, मानसरोवर एग्रो की फार्म पर छापेमारी की गई।

नशा छुड़ाने की दवा चुराने वाले दो आरोपित गिरफ्तार

संवाददाता–गोरखपुर। बीआरडी मेडिकल कॉलेज के मानसिक रोग विभाग के ओपीडी का ताला तोड़कर नशा छुड़ाने की दवा चुराने वाले दो चोरों को पुलिस ने मंगलवार को दोपहर गिरफ्तार कर लिया। दोनों को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। बीआरडी मेडिकल कॉलेज के मानसिक रोग विभाग की सोमवार को ओपीडी थी। सुबह जब कर्मचारी पहुंचे तो देखा की ओपीडी के कमरे का ताला तोड़कर आलमारी में रखी ओएसटी की दवा अज्ञात चोरों ने चोरी कर लिया गया है। आलमारी में रखे कागजात को इधर–उधर कर दिया गया है। विभागाध्यक्ष डॉ तपस कुमार ने लिखित तहरीर गुलरिहा पुलिस को दी थी। गुलरिहा पुलिस अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर चोरों की तलाश कर रही थी। मंगलवार को दोपहर में मेडिकल कालेज परिसर से विभाग में चोरी करने वाले रहमान निवासी लालगंज जंगल छत्रधारी थाना पिपराइच व संजय सिंह निवासी मसहवा लच्छीपुर थाना गोरखनाथ को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया। आरोपियों के पास से 1950 रुपए नगद बरामद हुआ है। 16 दिसम्बर 2023 को भी मानसिक विभाग के ओएसटी सेंटर के आलमारी में रखी 1597 गोलियां चोरी कर ली गयी थी।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0 4296 / 23
धारा 116 उ0प्र0रा0सं0 2006
अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी (न्यायिक) बांसी जिला सिद्धार्थनगर
मुकेश कुमार गौड़
बनाम
जोखनराम आदि
ग्राम भरौली तप्पा कुदारन परगना बांसी पूरब तहसील बांसी जिला–सिद्धार्थनगर
1. जोखनराम 2. रामलखन पुत्रगण छेदीराम साकिन बहबोल तप्पा कुदारन परगना बंसी पूरब तहसील बांसी 3. अजय कुमार पुत्र रामलखन साकिन कस्बा बांसी मुहल्ला प्रतापनगर नगर पालिका परिषद बांसी –प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग
4. श्रीमती सुशीला पत्नी रामशंकर साकिन बहबोल मुहल्ला आजाद नगर नगर पालिका परिषद बांसी 5. श्रीमती ज्योत्सना त्रिपाठी पत्नी देवदत्त साकिन चंगेरा मु0 आजादनगर नगर पालिका परिषद बांसी सिद्धार्थनगर 6. अध्यक्ष नगर पालिका परिषद बांसी जिला सिद्धार्थनगर
–प्रतिवादी द्वितीय वर्ग
तारीख पेशी 16–01–20224
वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 16 माह 01 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जवाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हो पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।
बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 08 माह 01 सन 2024 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान नायब तहसीलदार बस्ती सदर बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0 6139 / 2020
धारा 34 रा0संहिता
सोनाली शर्मा आदि
बनाम
हियात मोहम्मद
1.सोनाली शर्मा पत्नी स्व0 अशोक कुमार 2. अरूण कुमार 3. वरुण कुमार पुत्रगण स्व अशोक कुमार 4. रितिक पुत्री स्व0 अशोक कुमार नाबालिगान संरक्षिका माता सोनाली शर्मा पत्नी स्व0 अशोक कुमार साकिन गनेशपुर तप्पा गनेशपुर परगना नगर पूरब तहसील व जिला–बस्ती
तारीख पेशी 18–01–2024
हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 18 माह 01 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा। बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0 5771 / 23
धारा 24 उ0प्र0रा0सं0 2006
अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी (न्यायिक) बांसी जिला सिद्धार्थनगर
जोखन आदि
बनाम
अ0भू0प्र0स0 करही बगही आदि
ग्राम करही बगही तप्पा गोसियारी परगना मगहर पश्चिम तहसील बांसी जिला–सिद्धार्थनगर
1. अध्यक्ष भू0प्र0स0 करही बगही द्वारा प्रधान ग्राम पंचायत करही बगही 2. दिलीप कुमार पुत्र उदयराज 3. सन्तराम पुत्र दुःखी 4. दयाशंकर पुत्र भवनाथ ग्राम करही बगही तप्पा गोसियारी परगना मगहर पश्चिम तहसील बांसी जिला–सिद्धार्थनगर
तारीख पेशी 19–01–20224
वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 19 माह 01 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबावदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।
बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 08 माह 01 सन 2024 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अयोध्या में पर्यटन से सालाना 55 हजार करोड़ की होगी आय, हर माह आएंगे दो करोड़ पर्यटक

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या में बन रहा भव्य राम मंदिर व रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बाद यहां की अर्थव्यवस्था में भी क्रांतिकारी बदलाव आएगा। एक अनुमान के मुताबिक अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बाद हर माह दो करोड़ पर्यटक / श्रद्धालु आएंगे। हर पर्यटक यहां कम से दो–ढ़ाई हजार रुपये भी खर्च करेगा तो इससे सालाना 55 हजार करोड़ की आय होगी। पर्यटन व संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने मंगलवार को प्रेसवार्ता में यह दी जानकारी। उन्होंने कहा कि भव्य राम मंदिर निर्माण से अयोध्या समेत आस–पास के लगभग छह जिलों का आर्थिक परिदृश्य बदलेगा। इससे होटल, टैक्सी, रेस्टोरेंट, हस्तशिल्प, वस्त्र विक्रताओं आदि व्यवसाय में लगे कारोबारियों की आय व रोजगार बढ़ेगा। पर्यटन विभाग अयोध्या में 588 करोड़ व धर्मार्थ कार्य विभाग 936 कुल 1524 करोड़ से मूलभूत सुविधाओं, विकास, कुंड–मठ, मंदिर का जीणोद्धार आदि का काम करा रहे हैं। इसमें पर्यटकों व श्रद्धालुओं को केंद्र में रखा गया है। हम अयोध्या आने वाले हर पर्यटक–श्रद्धालु को विश्वस्तरीय सुविधाएं देंगे। उन्हें हर 500 मीटर पर पेयजल, विश्राम स्थल, टीन शेड, शौचालय, साइनेज आदि मूलभूत चीजों की सुविधा मिलेगी। पर्यटन मंत्री ने कहा कि रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दिन 22 जनवरी को प्रदेश में पांच करोड़ घरों में दीप जलेंगे। इसके लिए जिला स्तरीय समिति लोगों को प्रेरित कर रही है। इसकी संख्या और बढ़ेगी। उन्होंने बताया कि रामोत्सव के तहत प्रदेश भर में 8000 रजिस्टर्ड कलाकार व अयोध्या में 35 हजार कलाकार 14 जनवरी से 24 मार्च के बीच अपनी प्रस्तुति देंगे। अयोध्या में रामकथा आदि कार्यक्रमों की शुरुआत आठ जनवरी से हो गई है। 14 से पूरे प्रदेश में कार्यक्रम शुरू होंगे। इसी क्रम में चित्रकूट से 15 जनवरी को श्रीरामचरण पादुका यात्रा निकलेगी। जो राम वन गमन पथ से होते हुए 19 जनवरी को नंदी ग्राम, अयोध्या में समाप्त होगी। जयवीर सिंह ने कहा कि काशी जैसी भव्य आरती भी सरयू किनारे होने वाली आरती को बनाएंगे और आगे भी जारी रखेंगे। इसके लिए संबंधितों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। यह पर्यटकों को आकर्षित करेगी। उन्होंने बताया कि अयोध्या को भव्य, दिव्य और अलौकिक बनाने का हर प्रयास कर रहे हैं। सपा कार्यालय के बाहर आ रहे हैं हमारे आराध्य प्रभु श्रीराम वाली होर्डिंग के बारे में पूंछने पर उन्होंने कहा कि राम के नाम पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। भगवान राम कण–कण में व्याप्त हैं। जो भी भारतीय उन्हें अपना आदर्श मानता है, वह इस कार्यक्रम में अपनी सहभागिता दे।

महिला चिकित्सक का स्थानांतरण न होने से खुली एसीएमओ के फर्जीवाड़े की पोल

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। स्वास्थ्य विभाग में एसीएमओ आरसीएच डॉ. डीके चौधरी की ओर से आरबीएसके चिकित्सक का स्थानांतरण करने का मामला शासन तक पहुंच गया है। एक ब्लॉक सीएचसी पर तैनात आरबीएसके की महिला चिकित्सक अपना स्थानांतरण कराना चाह रही थी। इसके लिए उसने जुगाड़ भी लगाया था, लेकिन महिला चिकित्सक का जुगाड़ फेल कर दूसरे चिकित्सक डॉ. अजय कुमार ने एसीएमओ से अपना स्थानांतरण आदेश जारी करा लिया। दूसरे का स्थानांतरण होने की जानकारी होते ही महिला चिकित्सक ने शासन में जुगाड़ लगाकर एसीएमओ आरसीएच के फर्जीवाड़े की पोल खोल कर रख दी। इससे विभाग की जमकर किरकरी हो रही है। दरअसल, जिले का स्वास्थ्य महकमा भगवान भरोसे चल रहा है। इस विभाग में नियम–कानून ताक पर हैं, बावजूद जिम्मेदार अफसर इस पर ध्यान देने को तैयार नहीं है। खुनियांव ब्लॉक सीएचसी के राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के मोबाइल हेल्थ टीम (बी) में तैनात चिकित्साधिकारी डॉ. अजय कुमार ने एसीएमओ आरसीएच से बसंतपुर सीएचसी (बांसी) के टीम ए में अपना स्थानांतरण करा लिया है। यह स्थानांतरण एसीएमओ डॉ. डीके चौधरी ने जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में प्रस्ताव लाए बगैर किया है। जबकि उस चिकित्सक की जगह पर एक ब्लॉक सीएचसी पर तैनात आरबीएसके की महिला चिकित्सक अपना स्थानांतरण कराना चाह रही थी। उस महिला चिकित्सक ने सीएमओ कार्यालय तक जुगाड़ भी लगाई थी। वह बसंतपुर सीएचसी बांसी में स्थानांतरण चाह रही थी लेकिन खुनियांव में तैनात डॉ. अजय कुमार ने महिला चिकित्सक के जुगाड़ को फेल कर दिया। उसने एसीएमओ से बसंतपुर में ही अपने स्थानांतरण का आदेश जारी करा लिया। डॉ. अजय कुमार का बंसतपुर में स्थानांतरण जारी होते ही महिला चिकित्सक ने शासन में जुगाड़ लगाकर एसीएमओ की ओर से किए गए फर्जीवाड़े की पोल खोल दी। महिला चिकित्सक ने पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी। इसके बाद प्रकरण को संज्ञान लेते हुए शासन से सीएमओ को फोन आया। इसके बाद सीएमओ को इस फर्जीवाड़े की जानकारी हुई। सीएमओ को जैसे ही जिला स्वास्थ्य समिति के अप्रूवल बगैर डॉ. अजय कुमार के स्थानांतरण की सूचना मिली तत्काल उन्होंने स्थानांतरण को रोक दिया है।

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के तहत ब्लॉकों पर दो मेल–दो फिमेल चिकित्सक रखने का नियम है। इसमें एक मेल, एक फिमेल टीम ए में व दूसरा मेल व दूसरी फिमेल टीम बी में रहकर क्षेत्र में कार्य करती हैं।

डॉ. नरेंद्र कुमार बाजपेयी, सीएमओ ने कहा कि आरबीएसके की महिला चिकित्सक स्थानांतरण कराना चाहती है, इसके बारे में कोई जानकारी नहीं है। एसीएमओ आरसीएच की ओर से डॉ. अजय कुमार का किए गए स्थानांतरण के संदर्भ में फोन आया था। फोन पर जैसे ही स्थानांतरण की सूचना मिली तत्काल स्थानांतरण को रोक दिया गया है।

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं. 228 / 2023
श्रीमती सरस्वती देवी –सायल
1. श्रीमती सरस्वती देवी उम्र 57 वर्ष पत्नी कला प्रसाद त्रिपाठी निवासी ग्राम देईडीहा तप्पा उमरा परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती हाल मुकाम बांसापार तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती
तारीख पेशी 02–02–2024
प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा–372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम–1925
दरख्वास्त मुसम्मा
वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद
हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (सी0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 02–02–2024 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।
अलमरकूम माह सन 20 ई0।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0 267 / 2021
लालचन्द
बनाम
बृजलाल आदि
1. बृजलाल उम्र 45 साल पुत्र स्व0 रामलखन 2. मिठाईलाल उम्र 42 साल पुत्र स्व0 रामलखन 3. जगन्नाथ उम्र 50 साल पुत्र स्व0 जगदेव 4. श्रीमती श्यामकली पत्नी स्व0 रामलखन समस्त निवासीगण ग्राम टोला राजघाट नगर घास तप्पा हवेली परगना नगर पूरब तहसील व जिला बस्ती
तारीख पेशी 12–02–2024
हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 12 माह 02 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा। बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

बेदखली सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी राजेन्द्र प्रसाद पुत्र रामदास ग्राम– बड़ेरियाखुर्द निकट प्रजापति मैरेज हाल थाना पुरानी बस्ती जनपद बस्ती (उ.प्र.) का निवासी है। मेरे चार पुत्र और एक पुत्री है। मेरा एक पुत्र अमित कुमार जो शादी शुदा है वह परिवार के कहने सुनने में नहीं है। वह गलत संगत में होने के कारण आये दिन परिवार में झगड़ा लड़ाई किया करता है। उसके गलत आचरण को देखते हुये मैं उसे अपने चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर रहा हूं। अपने किसी भी कृत्य के लिये वह स्वयं जिम्मेदार होगा। प्रकाशन इसलिये करा रहा हूं कि वक्त जरूरत पर काम आवे।

दैनिक भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुदित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9450567450 9336715406,
ई.मेल bhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com